हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 206 बेमेतरा, शनिवार 21 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

नेशनल डिफेंस कॉलेज का 15 सदस्यीय अध्ययन दल 05 दिवसीय यात्रा पर पहुंचा है छत्तीसगढ़

प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को डबल इंजन की सरकार ने किया दूर : सीएम साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ की हमारी धरती सघन वन, प्राकृतिक संसाधन, खनिज संपदा के विपुल भंडार, लोक संस्कृति की अमूल्य विरासत और नैसर्गिक सौन्दर्य का अदभुत संगम है। इस सुंदर धरती के विकास की सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को हमारे डबल इंजन की सरकार ने अब दूर कर दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में नेशनल डिफेंस कॉलेज के सैन्य एवं सिविल सेवा अधिकारियों के अध्ययन दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने देश-विदेश से आए अधिकारियों का स्वागत करते हुए शाल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। अध्ययन दल का नेतृत्व कर रहे एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने छत्तीसगढ़ प्रवास के अनुभव साझा करते हुए राज्य की भौगोलिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक विशेषताओं की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री को सैन्य स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सघन वनों, खनिज संपदा, समृद्ध लोक संस्कृति और नैसर्गिक सौंदर्य का अद्वितीय संगम है। उन्होंने बताया कि राज्य का लगभग 46 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है, जिसमें एक पेड़ मां के नाम अभियान और कैम्पा योजना का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साय ने कहा कि राज्य खनिज संसाधनों से परिपूर्ण है– कोयले से लेकर हीरे तक यहां उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ वर्तमान में विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में सरप्लस राज्य है, जहां लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जिससे आने वाले समय में इतनी ही अतिरिक्त उत्पादन क्षमता विकसित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अब नक्सल समस्या समाप्ति की ओर है। इससे प्रदेश में शांति और विकास की गति और तेज होगी।

कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यहां किसानों के लिए प्रभावी धान खरीदी नीति लागू है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में 'महतारी वंदन योजना' का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके तहत 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं को प्रदान की जा चुकी है। इसके अलावा 05 लाख 30 हजार से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति, खान पान, रीति रिवाज परंपरा पर खुलकर बातें की और अपने राजनीतिक और सामाजिक अनुभव भी उनके साथ साझा किए।

सुप्रीम कोर्ट को दी गई जानकारी: एनसीईआरटी के विवादित अध्याय की समीक्षा के लिए गठित होगा विशेषज्ञ पैनल

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की एक पुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार पर लिखे गए विवादित अध्याय की समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जायेगा।

समिति के प्रस्तावित सदस्यों में वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल, उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के निदेशक एवं उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस शामिल हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ को एक अन्य याचिका की सुनवाई के दौरान यह जानकारी दी। यह विवाद पिछले महीने तब शुरू हुआ जब एनसीईआरटी की प्रस्तावित कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार पर एक अध्याय शामिल किया गया था। इस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए उच्चतम न्यायालय ने पुस्तक पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया, जिसके बाद एनसीईआरटी ने सार्वजनिक माफी मांगी और अध्याय वापस ले लिया। न्यायालय ने तब चिंता व्यक्त की जब उसे पता चला कि एनसीईआरटी आगामी शैक्षणिक सत्र में इस अध्याय का संशोधित संस्करण फिर से पेश करने का इरादा रखती है। तब उसने निर्देश दिया कि किसी भी पुनर्गठित सामग्री की समीक्षा पहले केंद्र सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा की जानी चाहिए। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि समिति में एक पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीश, एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और एक प्रसिद्ध कानूनी विशेषज्ञ शामिल होने चाहिए।

इसके अलावा, न्यायालय ने मूल अध्याय लिखने वाले तीन शिक्षाविदों को सार्वजनिक संस्थानों की भविष्य के शैक्षणिक परियोजनाओं में भाग लेने से रोक दिया है।

रूस ने ईरान युद्ध को तत्काल समाप्त करने का किया आह्वान

मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय ने फारस की खाड़ी क्षेत्र में उत्पन्न स्थिति के संबंध में कहा कि मास्को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ बिना उकसावे वाले आक्रमण से उत्पन्न शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान करता है। रूसी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि मॉस्को लगातार मित्र अरब देशों और ईरान के बीच शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं पड़ोसी देशों के साथ सहअस्तित्व वाली परिस्थितियां बनाने की आवश्यकता की वकालत करता है।

प्रीमियम पेट्रोल दो रुपये प्रति लीटर महंगा

नयी दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिये हैं, जबकि खुदरा (सामान्य) पेट्रोल और किसी भी तरह के डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली के इरविन रोड सर्विस स्टेशन पर आज से प्रीमियम पेट्रोल 'एक्सपी95' की कीमत 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गयी है। पहले इसकी कीमत 99.89 रुपये प्रति लीटर थी। सामान्य पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। प्रीमियम डीजल एक्सजी की कीमत भी 91.49 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गयी है। इंडियन ऑयल के अलावा दूसरी कंपनियों भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने भी कीमतों में लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की है। लंबे समय बाद किसी भी तरह के पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं।

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे इसके दाम बढ़े हैं। बढ़ी लागत की भरपाई के लिए तेल विपणन कंपनियों में प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाये हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों की निंदा की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना हुए हमलों की कड़ी निंदा की और शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान कतर के प्रति भारत की एकजुटता दोहरायी। पीम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर मोदी ने कहा, हम कतर के साथ एकजुटता से खड़े हैं और इस क्षेत्र के ऊर्जा अवसंरचना पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं इस तरह उन्होंने बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच महत्वपूर्ण ऊर्जा संपत्तियों के लिए खतरों के खिलाफ भारत का रुख मजबूती से रखा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कतर के नेतृत्व और वहां की जनता को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा, मैंने अपने भाई कतर के अमीर, महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की और उन्हें तथा कतर की जनता को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री की ओर से ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब मध्य पूर्व में ऊर्जा सुविधाओं की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं; यह क्षेत्र वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयात पर अत्यधिक निर्भर भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया है। मोदी ने कतर द्वारा भारतीय समुदाय को दिए जा रहे निरंतर समर्थन की सराहना भी की।

उन्होंने कहा, भारतीय समुदाय को दी जा रही देखभाल और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। समुद्री सुरक्षा पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि भारत 'होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित और मुक्त आवागमन' का समर्थन करता है। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण वैश्विक व्यापार मार्ग है जिससे होकर दुनिया के तेल का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है।

गुटेरेस ने अमेरिका, इज़रायल से युद्ध समाप्त करने का किया आग्रह वैश्विक परिणामों की दी चेतावनी

ब्रुसेल्स। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गुरुवार को अमेरिका और इज़रायल से ईरान युद्ध समाप्त करने का आग्रह किया और सैन्य कार्रवाई के स्थान पर कूटनीति अपनाने पर बल दिया। यूरोपीय परिषद की बैठक के दौरान यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि इस युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है।

सदन में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने वाला विधेयक पारित, सीएम साय बोले- ईमानदार प्रतिभा को मिलेगा हक

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और घोटालों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ (लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक-2026 सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के समर्थन से यह विधेयक पारित किया गया। नए कानून के तहत नकल माफिया, फर्जी अभ्यर्थियों और तकनीकी माध्यमों से धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक प्रावधान किए गए हैं। दोषी पाए जाने पर 3 से 10 वर्ष तक की सजा और अधिकतम 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। वहीं नकल में संलिप्त अभ्यर्थियों को तीन वर्षों तक किसी भी भर्ती परीक्षा से वंचित (ब्लैकलिस्ट) किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि युवा राज्य के विकास के केंद्र में होते हैं, लेकिन पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में उनके भविष्य के साथ अन्याय हुआ. उन्होंने आरोप लगाया कि पीएससी जैसी संस्थाओं में भ्रष्टाचार हुआ. प्रतियोगी परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए। साय ने कहा कि उनकी सरकार ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी, जिसके चलते कई आरोपी जेल तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह कानून नकल गिरोहों पर निर्णायक कार्रवाई के लिए बनाया गया है। संगठित अपराध की स्थिति में आरोपियों की संपत्ति जब्त करने और कुर्की करने का भी प्रावधान किया गया है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के जरिए नकल करने वालों पर विशेष रूप से सख्ती बरती जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि कानून का दायरा व्यापक होगा और यह पीएससी, व्यापमं, निगम-मंडल समेत सभी भर्ती और व्यावसायिक परीक्षाओं पर लागू होगा। जांच की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रावधान किया गया है कि ऐसे मामलों की जांच पुलिस उप निरीक्षक स्तर से नीचे का अधिकारी नहीं करेगा। आवश्यकता पड़ने पर सरकार अन्य एजेंसियों से भी जांच करा सकेगी।

उन्होंने कहा कि कानून में प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही भी तय की गई है। परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मिलीभगत पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का प्रावधान रखा गया है।

सीबीआई करेगी 165 करोड़ के भिलाई यस बैंक घोटाले की जांच, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने 165 करोड़ रुपये के भिलाई यस बैंक घोटाले की जांच के लिए सीबीआई को निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने राज्य सरकार की जांच प्रक्रिया पर नाराजगी जताते हुए यह आदेश जारी किया है।

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की जांच प्रक्रिया पर असंतोष जताते हुए कहा, घोटाले में तथ्यों को छुपाने और जांच के नाम पर लीपापोती की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यस बैंक द्वारा जांच में अपेक्षित सहयोग ना करने को लेकर भी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने दो टूक में कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच एकमात्र विकल्प है। लिहाजा पूरे घोटाले की सीबीआई से जांच कराई जाए। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डीबी ने दुर्ग भिलाई एसपी को निर्देशित किया है कि मामले से जुड़े सभी दस्तावेज, एफआईआर और काउंटर एफआईआर सहित पूरी जानकारी सीबीआई को सौंप दी जाए। कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई को नई एफआईआर दर्ज करने के भी निर्देश दिए हैं। बता दें कि अनिमेष सिंह द्वारा की गई एफआईआर और हितेश चौबे द्वारा किए गए काउंटर प्रथम सूचना रिपोर्ट की संपूर्ण जानकारी सीबीआई को देने कहा गया है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्वाभिमान पार्टी का उल्लेख किया है। याचिकाकर्ता प्रभुनाथ मिश्रा द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और कार्यवाहियों का भी विस्तृत जिक्र कोर्ट ने किया है।

अमेरिका हवाई हमलों से ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों को नष्ट कर रहे

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने कहा : ईरान में सत्ता परिवर्तन के लिए 'ज़मीनी कार्रवाई' की जरूरत

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि केवल हवाई हमलों से ईरान के शासन को नहीं उखाड़ा जा सकता, बल्कि इसके लिए एक 'ज़मीनी कार्रवाई' की आवश्यकता होगी।

नेतन्याहू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इजरायल और अमेरिका हवाई हमलों से ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों को नष्ट कर रहे हैं, लेकिन सार्थक सत्ता परिवर्तन केवल हवाई अभियानों से संभव नहीं है। उन्होंने कहा, क्रांति केवल हवा से नहीं आ सकती, इसके लिए ज़मीनी कार्रवाई भी जरूरी है। उन्होंने यह साझा करने से इनकार कर दिया कि इस ज़मीनी कार्रवाई का स्वरूप क्या होगा।

इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान में केवल शासन बदलना काफी नहीं है, बल्कि वहां की विचारधारा में बदलाव आना जरूरी है। उन्होंने इसकी तुलना इतिहास से करते हुए कहा, आप एक तानाशाह (अयातुल्लाह) को हटाकर दूसरे को नहीं लाना चाहेंगे। आप हिटलर की जगह दूसरे हिटलर को नहीं बिठाना चाहेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायल और अमेरिका हवाई हमलों के जरिए केवल 'स्थितियां' पैदा कर सकते हैं, लेकिन वास्तविक क्रांति और सत्ता का तख्तापलट केवल 'ज़मीनी स्तर' पर ईरानी जनता के प्रयासों और सक्रियता से ही संभव है। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मृत्यु के बाद शासन के भीतर काफी तनाव और दरारें हैं। उन्होंने उनके संभावित उत्तराधिकारी मुज्तबा खामेनेई पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अभी तक सामने नहीं आए हैं, जो शासन की कमजोरी को दर्शाता है। अभियान के 20वें दिन नेतन्याहू ने दावा किया कि ईरान अब यूरेनियम संवर्धन करने और बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की क्षमता खो चुका है। उन्होंने कहा, हम इन क्षमताओं को धूल और राख में मिलाना जारी रखेंगे। ईरान आज पहले से कहीं ज्यादा कमजोर है, जबकि इजरायल एक क्षेत्रीय और वैश्विक शक्ति बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत इजरायल अब उन कारखानों को निशाना बना रहा है जो मिसाइलों के पुर्जे बनाते हैं, ताकि ईरान के औद्योगिक आधार को पूरी तरह खत्म किया जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मतभेदों की खबरों पर नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि इजरायल ने अकेले कार्रवाई की थी, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर भविष्य के कुछ हमलों को फिलहाल रोक दिया गया है। उन्होंने उन आरोपों को खारिज किया कि उन्होंने अमेरिका को इस युद्ध में धकेला है। साथ ही, उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील रास्तों के विकल्प के रूप में अरब प्रायद्वीप से भूमध्यसागरीय बंदरगाहों तक पाइपलाइन बिछाने का सुझाव दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किए प्रेमानंद महाराज के दर्शन, आध्यात्मिक उपदेशों से हुई अभिभूत

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने मथुरा दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को वृंदावन के परिक्रमा मार्ग स्थित श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुँचीं। यहाँ उन्होंने प्रख्यात संत प्रेमानंद महाराज जी से शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम पहुंचने पर राष्ट्रपति का भव्य स्वागत किया गया। इसके उपरांत, उन्होंने पूज्य महाराज जी के साथ एकांत में वार्तालाप किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने महाराज जी के द्वारा दिए जा रहे सत्संग और मानवता के कल्याण के लिए उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति ने महाराज जी के उपदेशों और प्रवचनों को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने महाराज जी से भक्ति मार्ग, मानसिक शांति और सेवा भाव जैसे विषयों पर चर्चा की। भेंट के दौरान राष्ट्रपति जी की सादगी और महाराज जी के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा स्पष्ट दिखाई दी।

महाराज जी ने राष्ट्रपति को श्री राधा नाम की महिमा और निस्वार्थ कर्म के महत्व के बारे में बताया। पूज्य प्रेमानंद महाराज, जो अपने प्रखर विचारों और राधा वल्लभ संप्रदाय की भक्ति परंपरा के लिए विश्वभर में जाने जाते हैं, ने राष्ट्रपति जी को मंगलमय जीवन और राष्ट्र की प्रगति के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। परिक्रमा मार्ग पर यातायात को कुछ समय के लिए डाइवर्ट किया गया था। इस भेंट के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह मुलाकात न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, बल्कि इसने भारतीय संस्कृति में सत्ता और संत के बीच के गहरे जुड़ाव को भी रेखांकित किया।

बीती रात तेज रफ्तार इनोवा का कहर : टक्कर से 11 केवी सप्लाई का खंभा उखड़ा,तीन गांव डूबे अंधेरे में...?

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बीती रात गुरुवार करीब 09 बजे जिले के सरिया तहसील अंतर्गत पंचधार-बुदबुदा मार्ग पर एक तेज रफ्तार इनोवा (वाहन क्रमांक ष्ट्र13ष्ट7990) बेकाबू होकर हादसे का कारण बन गई जिसमें छोटे नावापारा निवासी अमर नायक (उम्र लगभग 28-29 वर्ष), पिता रामप्रसाद नायक, अपनी कार से घर लौट रहा था। पंचधार के पास मोड़ पर अचानक उसका नियंत्रण वाहन से हट गया और कार सीधे 11 केवी बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि खंभा जड़ से उखड़ गया और कार खेत में जा घुसी। खास बात यह रही कि बिजली सप्लाई चालू होने के बावजूद चालक पूरी तरह सुरक्षित बच निकला। हादसे के बाद जुटी भीड़,ट्रैक्टर से निकाली गई कारः- हादसे की आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और कुछ ही देर में वहां भीड़ लग गई। खेत में

धंसी कार को बाहर निकालना आसान नहीं था, जिसके चलते काफी देर तक प्रयास चलते रहे। आखिरकार ग्रामीणों ने ट्रैक्टर की मदद से वाहन को खेत से बाहर निकाला। घटनास्थल का दृश्य देखकर हर कोई हादसे की भयावहता का अंदाजा लगा रहा था। बिजली विभाग हरकत में,सप्लाई की गई बंदः- सूचना मिलते ही बिजली विभाग ने तत्काल सप्लाई बंद कर दी। कर्मचारी पद्मालोचन मेहर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और टूटे खंभे में उलझे तारों को हटाने का काम शुरू किया। सरिया के जूनियर इंजीनियर मदन नायक ने बताया कि चालक की लापरवाही से 11 केवी का मुख्य खंभा क्षतिग्रस्त हुआ है। सुबह ठेकेदार को बुलाकर नुकसान का आकलन किया जाएगा और चालक के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज की जाएगी। साथ ही बिजली सप्लाई बहाल करने का काम भी शुरू किया जाएगा।

तीन गांवों में छाया अंधेरा,ग्रामीणों में नाराजगी :

इस एक हादसे ने तीन गांवों बुदबुदा,विजयपुर और छोटे नावापारा की जिंदगी को रातभर के लिए थाम दिया। यही खंभा इन गांवों की मुख्य सप्लाई लाइन था, जिसके गिरते ही पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया। गर्मी और उमस के बीच लोगों को बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ी। एक व्यक्ति की लापरवाही ने सैकड़ों घरों की रोशनी छीन ली, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी साफतौर पर नजर आई। अनसुलझे सवाल और विद्युत विभाग की गैरजिम्मेदाराना रवैयाः-इस मामले को लेकर सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार जब इनोवा कार के ड्राइवर ने रात्रि के समय इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया है और विद्युत विभाग द्वारा उक्त ड्राइवर को केवल भयंकर घटना में क्षतिग्रस्त हुए विद्युत पोल की भरपाई करने संबंधित कार्यवाही कर मामले को रफा दफा करने में सफल नजर आई है लेकिन इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सबसे पहले संबंधित क्षेत्र के थाना में सूचना दी जानी थी और इस मामले की जांच पड़ताल किए जाने से पूरी हकीकत सबके सामने आ जाती...??? इस मामले में एक अन्य पहलू जिस पर शायद ही किसी की नजर गई हो तो एक सारगर्भित मामला बहुत ही ज्यादा गंभीर रूप से आ रही है कि इस मामले में यदि प्राथमिकी दर्ज कराया गया होता तो सबसे पहले उक्त वाहन के ड्राइवर द्वारा कितनी बड़ी लापरवाही बरतते हुए एक 11 केवी लाइन हेतु पोल को पूरी तरह से उखाड़ दिया गया है तो सोचिए कि यह एक हिट एंड रन का भी मामला बनता था। बहरहाल इस मामले को लेकर विद्युत विभाग द्वारा किसी भी प्रकार से कोई जांच कराने हेतु जांच टीम गठित कर जांच कराया जाएगा अन्यथा केवल विद्युत पोल की भरपाई करना ही उद्देश्य होगा.....?

जनपद पंचायत बेरला में आवास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, सीईओ ने दिए कार्य में तेजी लाने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्रामीण आवास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जमीनी स्तर पर कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन मे जनपद पंचायत बेरला में आवास मित्रों एवं रोजगार सहायकों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनपद पंचायत बेरला की मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीप्ती मंडावी ने की। इस बैठक में ग्रामीण आवास योजनाओं के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया। बैठक की शुरुआत निर्धारित लक्ष्यों और अब तक प्राप्त उपलब्धियों की समीक्षा से की गई। इस दौरान प्रत्येक आवास मित्र ने अपने-अपने क्षेत्र में लाभार्थियों की पहचान, मकान निर्माण की वर्तमान स्थिति, जारी की गई राशि के उपयोग तथा भू-टैगिंग की प्रगति से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। विशेष रूप से अधूरे मकानों और विलंबित प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने बैठक में कहा कि ग्रामीण आवास योजनाएं सीधे गरीब और जरूरतमंद परिवारों से जुड़ी हुई हैं, इसलिए इनके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने आवास मित्रों और रोजगार सहायकों को लाभार्थियों से लगातार संपर्क बनाए रखने, लंबित मामलों का त्वरित निराकरण करने, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा समय-समय पर सही और अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि निर्माण के प्रत्येक चरण की नियमित निगरानी की जाए और भू-टैगिंग कार्य समय पर पूर्ण किया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंच सके। इसके साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय-सीमा का विशेष रूप से ध्यान रखने के लिए कहा गया। बैठक के अंत में सीईओ ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी लंबित लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए और कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। इस समीक्षा बैठक में विकासखंड स्तर के अधिकारी-कर्मचारी, आवास मित्र तथा रोजगार सहायक भी उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग की कार्यवाही : घरेलू व व्यवसायिक गैस सिलेंडर व चुल्हा जब्त

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार खाद्य विभाग की टीम द्वारा कुकिंग गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण तथा व्यावसायिक उपयोग को रोकने हेतु अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य अधिकारी ने बताया कि खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विकासखंड अकलतरा के ग्राम पंचायत अमरताल के श्रीआनंदम रिज़ॉर्ट स्थित मिस्टर वेज रेस्टोरेंट की जांच की गई। उक्त प्रतिष्ठान में द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 2000 के उल्लंघन पाए जाने पर 28 नग व्यावसायिक गैस सिलेंडर और 1 नग घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया

गया। इसके साथ ही तिलई स्थित रोड़ा ढाबा में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करने पर 3 नग घरेलू गैस सिलेंडर और तीन बर्नर वाला चूल्हा 2 नग और एक बर्नर वाला चूल्हा 1 नग, एक गैस पाइप और एक रेगुलेटर जप्त किया गया। साथ ही जांजगीर मुख्यालय के कलेक्टोरेट चौक स्थित श्री कृष्णा डेयरी एंड डेली नीड्स में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करने पर 1 नग घरेलू गैस सिलेंडर और एक नग एक बर्नर वाला चूल्हा जप्त किया गया।

जिले में कुकिंग गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा व्यावसायिक उपयोग रोकने हेतु लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली जिंदगीः उर्मिला बाई की सफलता की प्रेरक कहानी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह योजना उन परिवारों को सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो वर्षों से कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। जिले के जनपद पंचायत बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत भोड़नामाठ की हितग्राही उर्मिला बाई की कहानी भी इस योजना की सफलता और प्रभाव का एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है। हितग्राही उर्मिला बाई, सामाजिक वर्ग ÷अन्य÷, पीएमएवाई (ग्रामीण) आईडी ष्टा2805789 से वर्ष 2024-25 में इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। वे अपने परिवार के साथ लंबे समय से दो कमरों के जर्जर कच्चे मकान में रह रही थीं। बरसात के मौसम में मकान में पानी टपकना, दीवारों का कमजोर होना, तथा सुरक्षित आवास की कमी उनके परिवार के लिए हमेशा चिंता का कारण बनी रहती थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे स्वयं पक्का मकान बनवाने में असमर्थ थीं और मजदूरी एवं खेती पर निर्भर रहकर किसी तरह परिवार का पालन-पोषण कर रही थीं। ऐसे कठिन समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई। ग्राम पंचायत में जब योजना की पात्रता सूची जारी हुई, तब उर्मिला बाई का नाम उसमें शामिल पाया गया।

इसके बाद उन्हें शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत आवास निर्माण की स्वीकृति मिली। प्रशासन और पंचायत स्तर पर समय-समय पर मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और निर्माण कार्यों की निगरानी के कारण उनका आवास समय पर पूरा हो सका। आज उर्मिला बाई का सपना साकार हो चुका है। वे अपने परिवार के साथ एक सुंदर, सुरक्षित और मजबूत पक्के मकान में निवास कर रही हैं। नए घर ने उनके परिवार को न केवल सुरक्षा दी है, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान की भावना भी बढ़ाई है। पहले जहां बारिश और मौसम की मार का डर बना रहता था, वहीं अब उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में रह रहा है और बच्चों को भी बेहतर माहौल मिल रहा है। उर्मिला बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए भारत सरकार और राज्य शासन के साथ-साथ जिला प्रशासन, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए एक बड़ी मदद है, जिससे उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ है। उनकी यह कहानी अन्य पात्र परिवारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही है और यह दर्शाती है कि शासन की योजनाएं वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंच रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके और कोई भी परिवार पक्के मकान से वंचित न रहे। उर्मिला बाई की यह सफलता कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही योजना, पारदर्शी प्रक्रिया और प्रशासनिक सक्रियता से ग्रामीण विकास को नई दिशा दी जा सकती है।

बरमकेला ब्लाक के ग्राम बार स्थित एफएसटीपी प्लांट का कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने किया निरीक्षण

कलेक्टर ने चैम्बर लगाकर जल्द संचालन के दिए निर्देश, सीवेज प्रबंधन प्लांट को लेकर प्रशासन सख्त, स्वच्छता सुधार पर जोर

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बरमकेला ब्लाक के ग्राम पंचायत बार में निर्माणाधीन एफएसटीपी प्लांट का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्लांट में आवश्यक चैम्बर स्थापित कर तत्काल टेस्टिंग कराई जाए, ताकि कार्य को शीघ्र प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि

मानव मल-मूत्र के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए यह प्लांट अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।डॉ. कन्नौजे ने अधिकारियों को समय-सीमा निर्धारित कर कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्लांट के शुरू होने से क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी को भी कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, बरमकेला जनपद सीईओ और विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, विद्युत विभाग के एई, जेई एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर समेत तीन अधिकारी 35 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार ...

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो बिलासपुर की टीम ने सीएसपीडीसीएल जांजगीर के सहायक अभियंता, उप अभियंता एवं सहायक ग्रेड-1 को 35 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 20 मार्च 2026 को व्यापक ट्रैप अभियान के तहत की गई। एसीबी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (ष्टस्क्कष्टरु) जांजगीर में पदस्थ सहायक अभियंता विजय नोर्गे, उप अभियंता राजेंद्र शुक्ला तथा सहायक ग्रेड-1 देवेंद्र राठौर पर ट्रांसफार्मर एवं मीटर लगाने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप था।डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि जांजगीर निवासी प्रदीप यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह ग्राम खोखसा में फ्लाई ऐश ब्रिक्स प्लांट स्थापित करना चाहता है। इसके लिए ट्रांसफार्मर लगाने हेतु उसने ष्टस्क्कष्टरु कार्यालय जांजगीर में आवेदन कर डिमांड नोट की राशि भी जमा कर दी थी, लेकिन इसके बावजूद अधिकारियों द्वारा कार्य के बदले रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत के अनुसार, उप अभियंता द्वारा 10 हजार रुपये तथा सहायक अभियंता और उनके सहायक द्वारा 25 हजार रुपये की मांग की गई थी। शिकायत के सत्यापन के बाद ष्टस्क्क ने ट्रैप की योजना बनाई। 20 मार्च को प्रार्थी को रिश्वत राशि देने के लिए ष्टस्क्कष्टरु कार्यालय भेजा गया, जहां उसने उप अभियंता को 10 हजार रुपये तथा सहायक अभियंता के निर्देश पर सहायक ग्रेड-1 को 25 हजार रुपये दिए। संकेत मिलते ही पहले से तैनात ष्टस्क्क टीम ने तीनों आरोपियों को पकड़ लिया और रिश्वत की पूरी रकम 35 हजार रुपये बरामद कर ली। एसीबी द्वारा आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 एवं 12 के तहत कार्रवाई की जा रही है। एसीबी ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी विभाग में यदि कोई लोकसेवक रिश्वत की मांग करता है, तो उसकी सूचना तत्काल एसीबी को दें, ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

32 ग्राम पंचायत सचिवों पर गिरी कार्रवाई की गाज, लापरवाही और कम प्रगति पर कड़ा रुख

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण तथा विभिन्न निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ग्राम पंचायत सचिवों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। 26 फरवरी 2026 को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में योजनाओं की प्रगति, अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र की स्थिति तथा जियो टैगिंग कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कई पंचायतों में कार्यों की प्रगति अत्यंत धीमी पाई गई, जिस पर अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त की। बैठक में 23 ग्राम पंचायत सचिव अनुपस्थित पाए गए थे, जिसके बाद उन्हें अनुपस्थिति एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित अन्य निर्माण कार्यों में कम प्रगति के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। नोटिस के जवाब में अधिकांश सचिवों का स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया, जबकि कुछ सचिवों द्वारा निर्धारित समय सीमा में जवाब भी प्रस्तुत नहीं किया गया। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत प्रशासन ने सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्णय लिया। कार्रवाई के तहत 08 सचिवों का एक दिवस का अकार्य दिवस मानते हुए उन्हें अवैतनिक किया गया है। इसके अलावा 15 सचिवों का एक दिवस अवैतनिक करते हुए उनका वेतन आगामी आदेश तक तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। जिला पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं अन्य विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और योजनाओं की प्रगति में बाधा डालने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वयं सहायता समूहों और समितियों को मिला पट्टा, संगठित रूप से हो रहा मत्स्य उत्पादन

मछली पालन से विकास की राह पर ग्राम टेसरी, 7 हेक्टेयर जलक्षेत्र में संगठित मत्स्य पालन से बढ़ रही ग्रामीणों की आय

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका द्वारा लिया गया गोद ग्राम जिले के ग्राम पंचायत टेमरी में मछली पालन अब ग्रामीणों के लिए विकास की नई राह बनता जा रहा है। मछली पालन विभाग के मार्गदर्शन में ग्राम टेसरी के छछुंदिया तालाब, दर्री तालाब और लोहरी तालाब में संगठित रूप से मत्स्य पालन किया जा रहा है। इन तीनों तालाबों का कुल जलक्षेत्र 7.020 हेक्टेयर है, जहां स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से मत्स्य पालन कार्य संचालित किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों की आय बढ़ने के साथ-साथ गांव की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है।

स्वयं सहायता समूहों और समितियों को मिला पट्टा, संगठित रूप से हो रहा मत्स्य उत्पादन-ग्राम पंचायत टेसरी के तीन प्रमुख तालाबों को स्थानीय समूहों को दीर्घकालीन पट्टे पर दिया गया है, जिससे ग्रामीणों को स्थायी रोजगार का अवसर मिला है। छछुंदिया तालाब लगभग 2.060 हेक्टेयर जलक्षेत्र में स्वयं सहायता समूह को पट्टे पर दिया गया है, जबकि दर्री तालाब 3.48 हेक्टेयर क्षेत्र में सहकारी समिति को तथा लोहरी तालाब 1.48 हेक्टेयर क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह को आवंटित किया गया है। इन तालाबों में योजनाबद्ध तरीके से मत्स्य पालन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों की आजीविका मजबूत हो रही है और गांव विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

शासकीय योजनाओं से मिली आर्थिक सहायता, मत्स्य पालन को मिला नया विस्तार-मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत पट्टा धारकों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है। जाल, दवाइयों और मछली बीज के लिए अनुदान राशि उपलब्ध कराई गई है। साथ ही मत्स्य बीज उत्पादन और मत्स्य पालन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शासन से मिली इस सहायता के कारण ग्रामीणों में मत्स्य पालन के प्रति रुचि बढ़ी है और वे इसे आय का प्रमुख साधन बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

प्रशिक्षण और सर्वे के माध्यम से मिल रहा तकनीकी मार्गदर्शन-संबंधित विभाग द्वारा ग्राम में सर्वे कर पट्टा धारकों और समूह के सदस्यों का पंजीयन किया गया है। साथ ही ग्रामीणों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया गया है, ताकि वे आधुनिक तरीके से मत्स्य पालन कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण मिलने के बाद अब ग्रामीण बेहतर तरीके से मछली पालन कर रहे हैं और उत्पादन में भी सुधार देखा जा रहा है। इससे गांव में आत्मनिर्भरता की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

कमियों को दूर करने के लिए विभाग सक्रिय, नए तालाबों को भी पट्टे पर देने की तैयारी-सर्वे के दौरान मछली पालन के लिए पानी की कमी जैसी कुछ समस्याएं सामने आई हैं। इन समस्याओं को दूर करने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर बैठक आयोजित कर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही गांव में स्थित अन्य खाली तालाबों को भी समिति या स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से पट्टे पर उपलब्ध कराने की योजना तैयार की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को रोजगार मिल सके और गांव का समग्र विकास हो सके।

मछली पालन से बढ़ रही आय, ग्रामीणों के लिए बन रहा स्थायी रोजगार का माध्यम-मछली पालन योजनाओं का लाभ मिलने से ग्राम टेसरी के ग्रामीण अब अपनी आजीविका मजबूत कर रहे हैं। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है बल्कि गांव के विकास को भी गति मिल रही है। मछली पालन अब ग्राम टेसरी में रोजगार और विकास का महत्वपूर्ण साधन बनकर उभर रहा है।

थाना प्रभारी प्रमोद यादव एंड टीम ने एकबार फिर पकड़ा अवैध गांजा की बड़ी खेप, 125 किलो गांजा के साथ 5 तस्कर सलाखों के पीछे..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चल रही सख्त मुहिम के तहत सरिया पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय एवं उप पुलिस अधीक्षक संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रमोद यादव के कुशल नेतृत्व में यह कार्रवाई अंजाम दी गई, जिसने पूरे क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली की सराहना बढ़ा दी है। दरअसल, 19 मार्च 2026 को पेट्रोलिंग के दौरान मिली मुखबिर सूचना पर थाना प्रभारी प्रमोद यादव ने तत्काल टीम को सक्रिय करते हुए भुलुमुड़ा-सरिया मेन रोड पर घेराबंदी कराई। उनकी सटीक रणनीति के चलते एक आर्टिगा कार (MP 20 CM 7737) और एक पायलटिंग कर रही स्विफ्ट डिजायर कार (MP 65 C 1080) को सफलतापूर्वक रोक लिया गया। आर्टिगा कार की तलाशी लेने पर 120 पैकेट में भरा हुआ 125 किलो 7 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। यह खेप उड़ीसा से शहडोल ले जाई जा रही थी, जिसे पुलिस ने समय रहते पकड़कर बड़ी तस्करी को नाकाम कर दिया।

5 आरोपी गिरफ्तार, अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा-कार्रवाई के दौरान पूर्णानंद सिंह उर्फ राहुल (शहडोल) और ऋषि सिंह (अनुपपुर) सहित कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांजा उड़ीसा के सोनपुर निवासी विकास से खरीदकर शहडोल में बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजा, दो कार और चार मोबाइल जब्त कर थाना सरिया में अपराध क्रमांक 57/26, धारा 20(क्) ह्ष्क्ष्क्र एक्ट के तहत मामला दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

थाना प्रभारी की नेतृत्व क्षमता की सराहना-इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव की तेज निर्णय क्षमता, सटीक रणनीति और टीम मैनेजमेंट की अहम भूमिका रही। उनके नेतृत्व में पुलिस टीम ने बिना किसी चूक के इतनी बड़ी कार्रवाई को सफल बनाया।

टीम वर्क बना सफलता की कुंजी-कार्रवाई में सउनि सुमन चौहान, प्र आरक्षक सुरेंद्र सिदार, आरक्षक नरेंद्र चंद्रा, विमल जांगड़े, श्रवण टंडन, ताराचंद, मोतीलाल जांगड़े, दिगंबर, दिलीप स्नेही, साइबर सेल के दीपक मैत्री सहित थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

घटिया निर्माण पर उपसरपंच का बड़ा खुलासा, सरपंच-ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग...

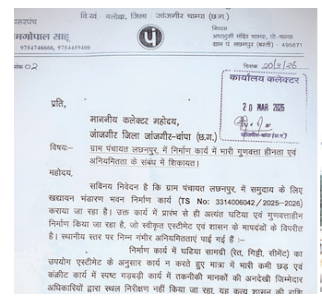

प्रति,
माननीय कलेक्टर महोदय,
जांजगीर जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
20 MAR 2026
विषय:- ग्राम पंचायत लछनपुर, में निर्माण कार्य में भारी गुणवत्ता हीनता एवं अनियमितता के संबंध में शिकायत।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि ग्राम पंचायत लछनपुर, में समुदाय के लिए खाद्यान्न भंडारण भवन निर्माण कार्य (TS No: 3314006042/2025-2026) कराया जा रहा है। उक्त कार्य में प्रारंभ से ही अत्यंत घटिया एवं गुणवत्ताहीन निर्माण किया जा रहा है, जो स्वीकृत एस्टीमेट एवं शासन के मापदंडों के विपरीत है। स्थानीय स्तर पर निम्न गंभीर अनियमितताएं पाई गई है :-
निर्माण कार्य में घटिया सामग्री (रेत, गिट्टी, सीमेंट) का उपयोग एस्टीमेट के अनुसार कार्य न करते हुए मात्रा में भारी कमी छड़ एवं कंक्रीट कार्य में स्पष्ट गड़बड़ी कार्य में तकनीकी मानकों की अनदेखी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण नहीं किया जा रहा, यह कृत्य शासन की राशि

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

बलौदा विकासखंड के ग्राम पंचायत लछनपुर में निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता और गुणवत्ता हीनता का गंभीर मामला सामने आया है। उपसरपंच रामगोपाल साहू ने कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर सरपंच और ठेकेदार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। शिकायत के अनुसार, ग्राम पंचायत में खाद्यान्न भंडारण भवन (ञ्जस् ह्रश: 3314006042/ 2025-2026) का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन शुरुआत से ही कार्य में मानकों की अनदेखी की जा रही है। आरोप है कि निर्माण में घटिया रेत, गिट्टी और सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है, जबकि निर्धारित एस्टीमेट के अनुसार सामग्री की मात्रा भी पूरी नहीं दी जा रही। इससे भवन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।उपसरपंच ने यह भी आरोप लगाया है कि सरिया और कंक्रीट कार्य में भारी गड़बड़ी की जा रही है, जो भविष्य में बड़े हादसे का कारण बन सकती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अब तक कोई प्रभावी स्थल निरीक्षण नहीं किया गया, जिससे अनियमितताओं को बढ़ावा मिल रहा है। रामगोपाल साहू ने इसे शासन की राशि का खुला दुरुपयोग बताते हुए उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य को तत्काल रोका जाए और सरपंच व ठेकेदार के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले पर कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी कागजों में सिमटकर रह जाएगा। ग्रामीणों की नजर अब जिला प्रशासन

22, 28, 29 और 31 मार्च को अवकाश में भी खुले रहेंगे रजिस्ट्री ऑफिस, मार्च के छुट्टियों में भी मिलेगी जन सुविधा

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

नागरिकों को रजिस्ट्री संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए छत्तीसगढ़ के सभी रजिस्ट्री ऑफिस रविवार 22 मार्च, शनिवार 28 मार्च, रविवार 29 मार्च तथा मंगलवार (महावीर जयंती) 31 मार्च को भी सामान्य कार्यदिवसों की तरह खुले रहेंगे।

इन तिथियों में दस्तावेजों के पंजीयन सहित अन्य सभी संबंधित सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध रहेंगी।शासन के इस निर्णय का उद्देश्य नागरिकों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना है, ताकि वे अपने लंबित पंजीयन कार्यों को समय पर पूरा कर सकें। विशेष रूप से वित्तीय वर्ष की समाप्ति के मद्देनज़र इन दिनों में पंजीयन कार्यों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है। जारी निर्देशों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिनों में पंजीयन कार्यों का सुचारू एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके, इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत राज्य के सभी रजिस्ट्री ऑफिस चयनित अवकाश दिवसों में भी संचालित किए जाएंगे। राज्य सरकार ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष सुविधा का अधिकतम लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथियों में अपने पंजीयन संबंधी कार्यों का निष्पादन कराएं, जिससे अनावश्यक भीड़ और अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सके।

जंगली सुअर के लिए बिछाए गए करंट में फंसा शिकारी, खुद बन गया शिकार..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जंगली सुअरों से फसलों को बचाने के नाम पर बिछाए जा रहे बिजली करंट ने एक और जान ले ली। सरिया थाना क्षेत्र में एक शिकारी खुद उसी करंट की चपेट में आ गया, जिसे उसने या उसके साथियों ने शिकार के लिए लगाया था। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

टार तालाब किनारे मिला शव, पास में मिला शिकारी कुत्ता भी मृत-मिली जानकारी के अनुसार ग्राम दादरपाली के टार तालाब किनारे शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक युवक का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने मृतक की पहचान ग्राम मारोदरहा निवासी राजू बिंझवार (35 वर्ष), पिता कन्हैया के रूप में की। घटनास्थल पर जंगली सुअर के शिकार के लिए बिछाया गया जेई तार, लकड़ी के खूंटी और पास में एक टंगिया मिला। वहीं एक शिकारी कुत्ता भी करंट की चपेट में मृत पाया गया, जिससे साफ है कि करंट काफी खतरनाक तरीके से फैलाया गया था।

250 मीटर तक बिछा था करंट का जाल, साथियों पर शक-जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि करंट के लिए बिछाया गया तार केनाभांठा खार-खेत की ओर से करीब 250 मीटर तक फैला हुआ था और आगे जाकर काटा गया था। इससे आशंका जताई जा रही है कि मृतक अकेला नहीं था, बल्कि उसके साथ अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि दादरपाली के ग्रामीणों ने करंट बिछाने से इंकार किया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

तीन साल पहले बचा, इस बार नहीं बच सका-बताया जा रहा है कि मृतक राजू बिंझवार तीन साल पहले भी इसी तरह की एक घटना में बाल-बाल बच गया था, जब मछली पकड़ने के दौरान करंट वाले तार की वजह से दो युवकों की मौत हो गई थी। इस बार वह जंगली सुअर के शिकार के लिए पहुंचा था, लेकिन खुद ही करंट की चपेट में आकर जान गंवा बैठा। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस की जांच जारी, जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई-मामले में विवेचना अधिकारी टीकाराम पटेल ने बताया कि मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। परिजनों और संभावित साथियों से पूछताछ की जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर अवैध तरीके से शिकार के लिए लगाए जा रहे करंट की खतरनाक सच्चाई को उजागर कर दिया है।

रविवार 22 मार्च को होगा उल्लास महापरीक्षा, 8 हजार साक्षर होंगे शामिल

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत जिले में डॉ संजय कन्नौजे कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सारंगढ़ बिलाईगढ़ के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में 22 मार्च 2026 रविवार को उल्लास महापरीक्षा अभियान आयोजित की जाएगी। कलेक्टर ने सभी शिक्षार्थियों को इस महापरीक्षा अभियान अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की है तथा कार्यक्रम से जुड़े सभी अधिकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधीगण स्वयंसेवी शिक्षक तथा आम नागरिकों को अपील की है कि वे शिक्षार्थियों को परीक्षा के दिन परीक्षा में शामिल करवाये। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालनअधिकारी इंद्रजीत बर्मन एवं उपाध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सारंगढ़ बिलाईगढ़ के द्वारा सभी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया है कि वे मूलभूत राशि से महापरीक्षा अभियान में वातावरण निर्माण के लिए गांव-गांव में दीवारों पर नारा लेखन कार्य करें।

जोइधा राम डहरिया-जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सारंगढ़ बिलाईगढ़ ने तीनों विकासखंड के विकासखंड शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक नोडल अधिकारी उल्लास का बैठक लेकर सभी परीक्षा केंद्रों में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने, बैगलेस डे के दिन गांव में स्कूली बच्चों द्वारा रैली, सभी शिक्षार्थियों को घर-घर जाकर सूचना देना, केंद्राध्यक्ष की नियुक्ति आदि पर विस्तृत निर्देश दिया गया। शिक्षार्थियों को महापरीक्षा अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सभी संकुल समन्वयको और ग्राम प्रभारी प्रधान पाठकों से सहयोग की अपील की है कि सभी शिक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

दुली चंद जालान कॉलेज के विद्यार्थियों ने लहराया परचम: रविशंकर विश्वविद्यालय की मेरिट लिस्ट में बनाई जगह

सरसीवा/तिलईपाली/मूक पत्रिका

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा घोषित एम.एससी. (जूलॉजी) चतुर्थ सेमेस्टर (मई-जून 2025) की प्रावीण्य सूची में दुली चंद जालान कॉलेज ऑफ क्वालिटी एजुकेशन, तिलईपाली-सरसीवा के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी टॉप-10 की सूची में कॉलेज के तीन होनहार छात्रों ने स्थान प्राप्त कर संस्थान और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शानदार उपलब्धि के आंकड़े कॉलेज के निम्नलिखित छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत से मेरिट लिस्ट में जगह बनाई है: हूपकांत जांगड़े (Hoopkant Jangade)Ñ विश्वविद्यालय में द्वितीय (2ठ्ठस्र) स्थान प्राप्त किया (1876 अंक)। किरण खटकर विश्वविद्यालय में नौवां (9th) स्थान प्राप्त किया (1817 अंक)। मंजुलता साहू विश्वविद्यालय में दसवां (10th) स्थान प्राप्त किया (1815 अंक)। संस्थान की ओर से शुभकामना संदेश इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर कॉलेज प्रबंधन और शैक्षणिक स्टाफ में हर्ष का माहौल है। कॉलेज के चेयरमैन महोदय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, ÷यह सफलता विद्यार्थियों के अटूट परिश्रम और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी आज अपनी बौद्धिक क्षमता से पूरे प्रदेश में पहचान बना रहे हैं, यह हमारे लिए गर्व का विषय है। प्राचार्य एवं समस्त प्राध्यापकों ने भी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि कॉलेज सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी विद्यार्थियों को हर संभव सहायता और बेहतर शैक्षणिक माहौल प्रदान करता रहेगा।

छात्रों ने जताया आभार-सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय कॉलेज के अनुशासन, प्राध्यापकों के मार्गदर्शन और अपने अभिभावकों को दिया है। उन्होंने विशेष रूप से कॉलेज प्रबंधन का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उन्हें अध्ययन के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया.

लैलूँगा के बनेकेला में गूंजेगा जयकारा : माँ दुर्गा मंदिर वार्षिकोत्सव में भक्ति, भंडारा और इनामी नाटक का महाकुंभ!

लैलूंगा/झगरपुर/मूक पत्रिका

ग्राम बनेकेला, झगरपुर एक बार फिर भक्ति और उल्लास के रंग में रंगने जा रहा है। सार्वजनिक श्री दुर्गा मंदिर वार्षिकोत्सव समारोह को लेकर गांव में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 24 मार्च से 28 मार्च 2026 तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में धार्मिक अनुष्ठान, भंडारा, जशगीत और इनामी नाटक प्रतियोगिता जैसे आकर्षण लोगों को अपनी ओर खींचेंगे। समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 24 मार्च को सायं 5 बजे भव्य कलश यात्रा और भंडारे के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद 25 मार्च को देवताओं का आवाहन किया जाएगा। 26 मार्च को वेदी पूजन, अग्नि प्रवेश, यज्ञ और रात्रि में भजन-कीर्तन का आयोजन होगा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। 27 मार्च को प्रातः पूजन-हवन के साथ कन्या भोज, पूर्णाहुति और मंगल स्नान जैसे धार्मिक कार्यक्रम होंगे, वहीं रात में ग्रामीण पार्टी द्वारा जशगीत प्रस्तुत किए जाएंगे। 28 मार्च को माता रानी का विशेष श्रृंगार, महाआरती, महाप्रसाद वितरण और भंडारा होगा। इसी दिन रात में इनामी नाटक प्रतियोगिता का भव्य आयोजन होगा, जिसमें प्रथम पुरस्कार 51 हजार, द्वितीय 41 हजार और तृतीय 31 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इस आयोजन में क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति भी रहेगी। 27 मार्च को विधायक श्रीमती विद्यावती सिदार, पूर्व विधायक चक्रधर सिंह सिदार और हृदय राम राठिया सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल होंगे, वहीं 28 मार्च को जिला और जनपद स्तर के नेता कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। समिति ने नाटक प्रतियोगिता के लिए स्पष्ट नियम भी तय किए हैं, जिसमें समय पालन, वेशभूषा और अनुशासन को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही मेला और दुकानों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जा रही है, जिससे ग्रामीणों और आगंतुकों को सुविधा मिल सके। समिति का आह्वान है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

कलेक्टर ने लोगों को जल बचाने और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील

जल संगवारी महा अभियान में जल संरक्षण हेतु जिले में 10 हजार सोख्ता गड्ढा बनाया गया

कलेक्टर ने संतान के नाम एक सोख्ता गड्ढा बनाने की शपथ दिलाई

कलेक्टर ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए श्रमदान करने के लिए किया प्रोत्साहित

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देश पर जिले में जल संगवारी महा अभियान में जल संरक्षण हेतु जिले में 10 हजार सोख्ता गड्ढा बनाया गया है। कलेक्टर द्वारा लगातार 'मोर गांव, मोर पानी अभियान' चलाया जा रहा। इसी क्रम में शुक्रवार को जनपद पंचायत बरमकेला के ग्राम देवगांव में अभियान का प्रभावी आयोजन किया गया है। ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गिरते भूजल स्तर को सुधारना और जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देना है। वहीं इसके तहत सोख्ता गड्ढों का निर्माण कर वर्षा जल को जमीन में समाहित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। जल संरक्षण महा अभियान भूजल स्तर को रिचार्ज करने के लिए किया जा रहा है। कलेक्टर ने ÷संतान के नाम एक सोख्ता गड्ढा बनाने÷ की शपथ दिलाई। ÷संतान के नाम सोख्ता गड्ढा÷ की पहल ग्रामीणों के दिलों को छू लिया है। इस अनूठी सोच के जरिए हर परिवार अपने बच्चों के नाम पर एक सोख्ता गड्ढा बनाकर भविष्य के लिए जल संरक्षण का संकल्प ले रहा है। देवगांव में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लोगों ने जल बचाने और संरक्षित करने का संकल्प लिया, जिससे यह अभियान अब एक जन - आंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है। साथ ही कलेक्टर ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पानी बचाओ, भविष्य बचाओ

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के मार्गदर्शन में चल रहा यह अभियान न सिर्फ वर्तमान जल संकट का समाधान है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत और सुरक्षित भविष्य की नींव भी रख रहा है। संदेश साफ है कि, 'पानी बचाओ, भविष्य बचाओ' अब सिर्फ नारा नहीं, बल्कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ की पहचान बनता जा रहा है। इस महाअभियान में अजय नायक जिला उपाध्यक्ष जिला पंचायत, अभिलाषा नायक जिला पंचायत सदस्य, जनप्रतिनिधि डॉ विद्या चौहान जनपद अध्यक्ष बरमकेला सहित जनप्रतिनिधि,इंद्रजीत बर्मन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अजय पटेल सीईओ बरमकेला, पीएचई विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

कौशल विकास द्वारा युवाओ के लिए नि:शुल्क इलेक्ट्रिशियन और कंप्यूटर डीटीपी कोर्स

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिला कौशल विकास प्राधिकरण सारंगढ़ बिलाईगढ़ के द्वारा 18 वर्ष या अधिक उम्र के युवा को निशुल्क ट्रेनिंग दिया जायेगा। इलेक्ट्रिकल डोमेस्टिक सॉल्यूशंस (सहायक इलेक्ट्रिशियन) कोर्स के लिए दसवीं उत्तीर्ण युवा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सारंगढ़ में मेलाराम भारद्वाज (8225022170) और डीटीपी कंप्यूटर कोर्स के लिए 12 उत्तीर्ण युवा केपी युवा कौशल प्रशिक्षण केंद्र बंधापाली में संतोष पटेल (930234392) से सम्पर्क कर शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट फोटो कार्यालय में जमा कर प्रशिक्षण में शामिल हो सकते हैं। यह जानकारी जिला कौशल विकास के नोडल अधिकारी पुरुषोत्तम स्वर्णकार ने दी।

|| सम्पादकीय ||

जन्मदात्री की रक्षा

हालांकि, पंजाब में पिछले दिनों सामने आए मातृ स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े कुछ हद तक उम्मीद जरूर जगाते हैं, लेकिन उन्हें संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। राज्य में बच्चे को जन्म देने के दौरान मातृ मृत्यु दर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। जो निश्चित रूप से गर्भावस्था और प्रसव के दौरान माताओं की सेहत की सुरक्षा करने में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की क्षमता में क्रमबद्ध सुधार का ही संकेत देती है। लेकिन, इस मामूली गिरावट के बावजूद एक गंभीर चिंता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि प्रगति अभी भी धीमी व असमान गति वाली है। दरअसल, मातृ मृत्यु दर प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर होने वाली मौतों के रूप में मापी जाती है। जिसे व्यापक अर्थों में किसी भी समाज की स्वास्थ्य सेवा की क्षमता तथा समाज में लैंगिक समानता का एक महत्वपूर्ण सूचक भी माना जाता है। इस तरह मातृ मृत्यु दर में आई मामूली गिरावट भी प्रसव पूर्व गर्भवती स्त्री की देखभाल, संस्थागत स्तर पर प्रसव कराने और आपातकालीन प्रसूति सेवाओं की स्थिति में सुधार को ही दर्शाती है। इसके बावजूद अभी पंजाब में मातृ स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार की काफी गुंजाइश है। विशेष रूप से तब जब कि कई जिलों में मातृ मृत्यु दर अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। यहां जरूरी हो जाता है कि पंजाब के पड़ोसी राज्य हरियाणा में मातृ स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन भी किया जाए। हालांकि, पहले इस दिशा में आशातीत प्रगति दर्ज की गई थी। लेकिन अब हरियाणा की मातृ मृत्यु दर यानी एमएमआर के नवीनतम मूल्यांकन चक्र में स्थिति लगभग अपरिवर्तित ही नजर आती है। निश्चित तौर पर आंकड़ों में देखी जा रही यह स्थिरता सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में एक आम चुनौती को ही उजागर करती है। निर्विवाद रूप से प्रारंभिक स्तर पर किए गए सुधार अक्सर त्वरित लाभ देते हैं, लेकिन जरूरी है कि इस दिशा में प्रगति को अनवरत बनाया रखा जाए। निस्संदेह, इस प्रगति के लिये निरंतर गहन संरचनात्मक परिवर्तनों की जरूरत होती है। वास्तव में मातृ स्वास्थ्य रक्षा के लिये कई मोर्चों पर एक साथ काम करने की आवश्यकता होती है। ऐसे में केवल अस्पतालों और योजनाओं में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं होता है। बल्कि गर्भावस्था के दौरान गुणवत्तापूर्ण देखभाल, समय रहते रेफरल और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की निरंतर निगरानी करना भी उतना ही महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल, पंजाब में स्वास्थ्य संबंधी ऑडिट से पहले ही प्रणालीगत खामियों की ओर संकेत मिला है। जैसा कि निदान में देरी, प्रसवोत्तर रक्तस्राव जैसी जटिलताओं का खराब प्रबंधन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच कमजोर समन्वय का होना भी है। निस्संदेह, इन कमियों को दूर करने के लिये जिला अस्पतालों को सुविधा संपन्न करना बेहद जरूरी है। इसके अलावा अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी जरूरत है। साथ ही ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों से रेफरल नेटवर्क में यथाशीघ्र सुधार करना भी बेहद आवश्यक हो जाता है। भारत सरकार ने सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के क्रम में मातृ मृत्यु दर को प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 70 से कम करने का संकल्प लिया है।

मस्तिष्क की सेहत पर मंडराता प्लास्टिक कणों का खतरा

मुकुल व्यास

प्लास्टिक के सूक्ष्म कण पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक के कण अथवा प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े हवा से लेकर पानी और खाने तक हर चीज में पाए गए हैं। अब डोनेट किए गए 52 मानव मस्तिष्कों पर हुए एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि ये माइक्रोप्लास्टिक कण मस्तिष्क के अंदरूनी हिस्सों में जमा हो सकते हैं। शोधकर्ताओं को मस्तिष्क के हर सैंपल में पॉलीइथाइलीन और दूसरे पॉलिमर के निशान मिले और उन्होंने देखा कि हाल के सैंपल में पुराने सैंपल के मुकाबले इनकी मात्रा ज्यादा थी। वैज्ञानिकों ने पाया कि 2024 में लिए गए सैंपल में प्लास्टिक की मात्रा 2016 में देखी गई मात्रा से अधिक थी,जिससे पता चलता है कि मस्तिष्क में माइक्रोप्लास्टिक का स्तर लगातार बढ़ रहा है। नई रिसर्च का नेतृत्व अमेरिका की न्यू मेक्सिको यूनिवर्सिटी में टॉक्सिकोलॉजी के प्रोफेसर मैथ्यू कैम्पेन ने किया है। उन्होंने माइक्रोप्लास्टिक के उपयोग में सावधानी बरतने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा दुनियाभर में बढ़ता प्लास्टिक उत्पादन प्रदूषण की एक मुख्य वजह है। विशेषज्ञों ने यह भी जांच की कि क्या कुछ खास परिस्थितियां इन वस्तुओं के जमाव को और बढ़ा देती हैं। उन्होंने डिमेंशिया के मरीज़ों के एक ग्रुप को देखा जिनके मस्तिष्क में दूसरे सैंपल के मुकाबले तीन से पांच गुना ज्यादा प्लास्टिक के कण थे। वैज्ञानिक इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप से देखे गए टुकड़ों के आकार देखकर हैरान गए। इन टुकड़ों में साफ-सुथरे गोलों के बजाय,कई दांतेदार, परत जैसी संरचनाएं थी। ऐसे ऊबड़-खाबड़ आकार वाले माइक्रोप्लास्टिक चिकने, गोल आकार वाले माइक्रोप्लास्टिक की तुलना में कोशिकाओं के साथ अलग तरीके से क्रिया कर सकते हैं। पहले किए गए अनेक अध्ययनों में विभिन्न मानव अंगों,जैसे रक्त धमनियों, किडनी और प्लेसेंटा में प्लास्टिक के अपशिष्ट पाए गए हैं। प्रयोगशाला में चूहों के मॉडल पर किए गए अध्ययन से पता चला

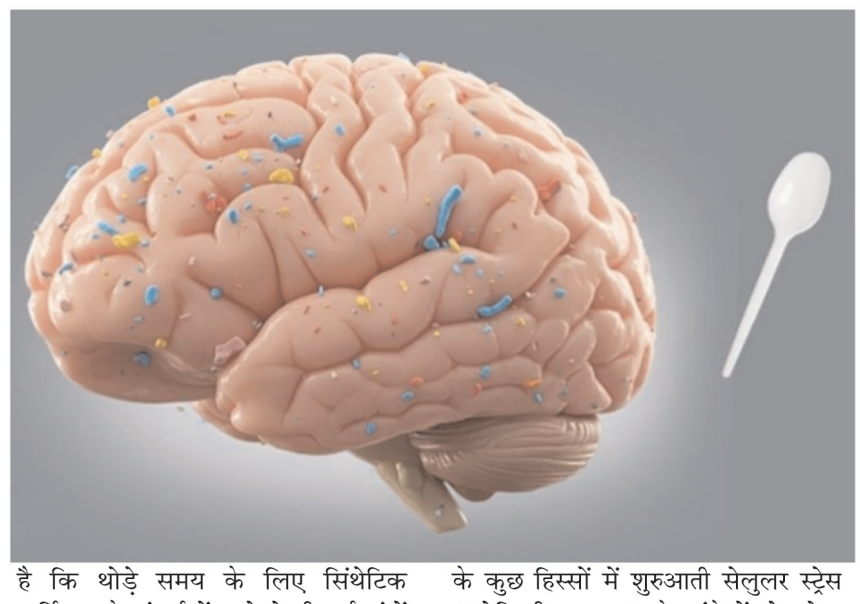

है कि थोड़े समय के लिए सिंथेटिक पार्टिकल के संपर्क में आने से भी कई अंगों में सूजन हो सकती है। कुछ वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इन पार्टिकल की वजह से खास बीमारियों का पता लगाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि प्लास्टिक का संपर्क लगभग हर जगह होता है। एक अन्य रिसर्च टीम ने देखा कि मस्तिष्क के ऑलफैक्ट्री बल्ब में माइक्रोप्लास्टिक मौजूद थे, जिससे पता चलता है कि इन टुकड़ों के नर्वस टिशू में घुसने के कई रास्ते हैं। ध्यान रहे कि ऑलफैक्ट्री बल्ब मस्तिष्क का वह हिस्सा है जहां गंध की प्रोसेसिंग होती है। नई रिसर्च इस बात के प्रमाण देती है कि माइक्रोप्लास्टिक कण मस्तिष्क के फ्रंटल कॉर्टेक्स में और भी गहराई तक जा सकते हैं। ये कण मस्तिष्क की कुशाग्रता या दूसरे कार्यों पर कैसे असर डाल सकते हैं, इस बारे में बहुत सारे सवाल हैं जिनके जवाब नहीं मिले हैं। कुछ वैज्ञानिक बताते हैं कि डिमेंशिया वाले लोगों के दिमाग में अक्सर फिल्टरिंग सिस्टम कमजोर हो जाते हैं, जिससे यह साफ नहीं होता कि प्लास्टिक की ज्यादा मात्रा ऐसी स्थितियों में योगदान करती है या यह मात्रा इसलिए ज्यादा होती है क्योंकि दिमाग उन्हें ठीक से साफ नहीं कर पाता। जानवरों पर किए गए एक अध्ययन में माइक्रोप्लास्टिक के संपर्क को याददाश्त में मामूली बदलाव और मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में शुरुआती सेलुलर स्ट्रेस (कोशिकीय तनाव) के संकेतों से जोड़ा गया है। पर्यवेक्षकों का मानना ??है कि इंसानों पर हुए अध्ययन में यह साफ होने में सालों लग सकते हैं कि क्या माइक्रोप्लास्टिक कण सीधे स्नायु संबंधी दिक्कतें लाते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी जिस तरह प्लास्टिक का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है और जिस तरह सूक्ष्म प्लास्टिक हवा, खाने और पानी के जरिए हर जगह फैल रहा है, उसे देखते हुए इस समस्या का कोई जल्दी समाधान नहीं निकल सकता। कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि जब माइक्रोप्लास्टिक को दिमाग और दूसरे जरूरी अंगों में जाने से रोकने के लिए औद्योगिक अपशिष्ट के निपटान के बारे में कड़े नियम बनाना बहुत जरूरी है। कुछ अन्य विशेषज्ञों ने कहा कि किस प्लास्टिक की छोटे-छोटे टुकड़ों में विखंडित होने की सबसे ज्यादा संभावना है,इस पर हमें और डेटा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कणों के आकार और रासायनिक बनावट में अंतर मायने रखता है। समुद्री जीव वैज्ञानिकों ने बताया है कि समुद्रों में प्लास्टिक के कचरे के बारे में शुरुआती चेतावनियों को ज्यादातर नज़रअंदाज़ किया गया था, इसलिए इंसानी सेहत के लिए जरूरी उपायों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ प्लायमाउथ के प्रोफेसर रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा है कि इन प्लास्टिक कणों को सेहत के नतीजों से जोड़ना एक बड़ी चुनौती है। थॉम्पसन ने ही सबसे पहले 'माइक्रोप्लास्टिक' शब्द का इस्तेमाल किया था। प्लास्टिक कणों का पता लगाने के नए तरीके वैज्ञानिकों को वह देखने में मदद कर रहे हैं जो कभी दिखाई नहीं देता था। पिछले दस सालों में एडवांस्ड इमेजिंग टूल्स और रासायनिक विश्लेषण ज्यादा सटीक हो गए हैं, जिससे नतीजों पर भरोसा बढ़ता है। फिर भी, कई लोगों को चिंता है कि समस्या मौजूदा टेस्टों से ज्यादा बड़ी हो सकती है। अध्ययनों में उम्र,स्वास्थ्य की स्थिति और लाइफस्टाइल के फैक्टर्स का मुद्दा भी उठाया गया है, जो एक व्यक्ति के शरीर में दूसरे की तुलना में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा पर असर डाल सकते हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक की इतनी विविधता होने से इसके हानिकारक प्रभाव का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। पॉलीस्टाइनिन, पॉलीप्रोपाइलीन और पॉलीइथाइलीन का आमतौर पर जिक्र किया जाता है, लेकिन दूसरे पॉलीमर भी मौजूद रहते हैं। कुछ छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं,जबकि दूसरे रेशों में बदल जाते हैं जो टिशू में उलझ सकते हैं। विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा कि माइक्रोप्लास्टिक से घबराने की कोई बात नहीं है लेकिन इसके बारे में जागरूकता रहनी चाहिए। ज्यादा जागरूकता से मैन्युफैक्चरिंग के तरीकों, उपभोक्ता की पसंद और अवशिष्ट प्रबंधन में बदलाव आ सकते हैं। जैसे-जैसे ग्लोबल प्लास्टिक का उत्पादन बढ़ेगा, भविष्य में इन प्लास्टिक कणों के अधिक स्तर को रोकने के लिए और कदम उठाने होंगे। माइक्रोप्लास्टिक के बारे में भले ही कुछ सवाल बने रहें, वैज्ञानिकों का कहना है कि इंसानों,जानवरों और प्रयोगशाला में लगातार मिले नतीजे सावधानी बरतने की जरूरत की ओर इशारा करते हैं। माइक्रोप्लास्टिक दिमाग की कोशिकाओं या रक्त धमनियों को कैसे नुकसान पहुंचा सकता है,इसकी गहरी समझ से बचाव के रास्ते खुल सकते हैं।

टूट रहा है दुबई में बसने का सुनहरा सपना

दुबई की रियल एस्टेट मार्केट में भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती गई और कई बड़े कारोबारी परिवारों ने वहां महंगी प्रॉपर्टी खरीदकर स्थायी निवास बना लिया। इस आकर्षण के पीछे सबसे बड़ा कारण दुबई का टैक्स ढांचा है। दुबई में व्यक्तिगत आयकर नहीं है, जबकि भारत में उच्च आय वर्ग को 30 प्रतिशत तक टैक्स देना पड़ता है। यही कारण है कि कई लोग अपनी आय और संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए खाड़ी देशों में बसने का फैसला करते हैं। इसके अलावा दुबई का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर , अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र के रूप में पहचान और अपेक्षाकृत आसान कारोबारी नियम भी लोगों को आकर्षित करते रहे हैं।

हेमंत पाल

बीते कुछ सालों में भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और उच्च आय वर्ग के लोग तेजी से दुबई और खाड़ी देशों की ओर रुख करते दिखाई दिए। कम टैक्स, वैश्विक जीवनशैली और आसान बिजनेस माहौल ने उन्हें आकर्षित किया। लेकिन, हाल के भू-राजनीतिक तनावों और क्षेत्रीय अस्थिरता ने इस प्रवृत्ति पर नए सवाल खड़े कर दिए। क्या वास्तव में दुबई जैसे देशों में बसना उतना सुरक्षित और स्थायी विकल्प है जितना माना जाता है, या फिर यह केवल टैक्स बचाने और विलासितापूर्ण जीवन की चाह का परिणाम है! यह सवाल अब गंभीर बहस का विषय बन चुका है। एक दशक में दुबई भारतीयों के लिए सबसे पसंदीदा विदेशी ठिकानों में से एक बनकर उभरा है। खासकर अमीर भारतीयों और उद्योगपतियों के बीच वहां बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। दुबई की रियल एस्टेट मार्केट में भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती गई और कई बड़े कारोबारी परिवारों ने वहां महंगी प्रॉपर्टी खरीदकर स्थायी निवास बना लिया। इस आकर्षण के पीछे सबसे बड़ा कारण दुबई का टैक्स ढांचा है। दुबई में व्यक्तिगत आयकर नहीं है, जबकि भारत में उच्च आय वर्ग को 30 प्रतिशत तक टैक्स देना पड़ता है। यही कारण है कि कई लोग अपनी आय और संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए खाड़ी देशों में बसने का फैसला करते हैं। इसके अलावा दुबई का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र के रूप में पहचान और अपेक्षाकृत आसान कारोबारी नियम भी लोगों को आकर्षित करते रहे हैं। हालांकि, दुबई जाने का कारण केवल टैक्स बचाना ही नहीं है। कई उद्योगपति और कारोबारी दुबई को वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार मानते हैं। मध्य पूर्व, यूरोप और अफ्रीका के बीच स्थित होने के कारण दुबई व्यापार और लॉजिस्टिक्स के लिए एक रणनीतिक केंद्र बन चुका है। इसके अलावा दुबई में लग्जरी जीवनशैली, आधुनिक शहर, बेहतर

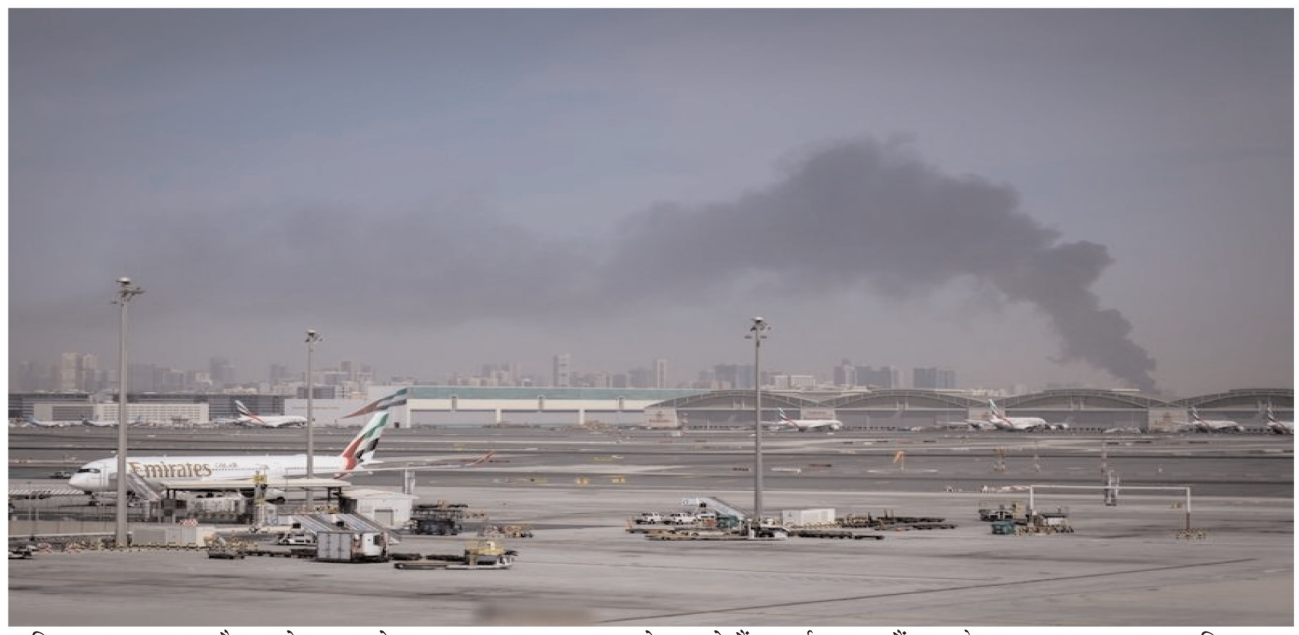

परिवहन व्यवस्था और अपेक्षाकृत तेज प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी आकर्षण का कारण हैं। कई भारतीय पेशेवर और उद्यमी मानते हैं कि दुबई में कारोबार शुरू करना और विस्तार करना भारत की तुलना में आसान और तेज है। लेकिन, हाल के समय में पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने इस आकर्षण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रीय संघर्षों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं ने यह याद दिलाया है कि खाड़ी क्षेत्र पूरी तरह स्थिर नहीं है। जब भी पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, तो वहां रहने वाले विदेशी नागरिकों की सुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ऐसे समय में कई लोग यह महसूस करने लगते हैं कि आर्थिक लाभ के बावजूद किसी दूसरे देश में स्थायी रूप से बसना हमेशा सुरक्षित विकल्प नहीं होता। इसके विपरीत भारत एक बड़ा लोकतांत्रिक और अपेक्षाकृत स्थिर देश है। यहां मजबूत संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था है, जो नागरिकों को दीर्घकालिक सुरक्षा और अधिकार प्रदान करती है। भारत की अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ रही है और निवेश तथा उद्यमिता के नए अवसर लगातार सामने आ रहे हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास ने देश को वैश्विक निवेश के लिए आकर्षक बना दिया है। ऐसे में कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए विदेश बसना हमेशा दीर्घकालिक रूप से सही फैसला नहीं होता। एक और महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का है। भारत छोड़कर विदेश में बसने वाले कई लोगों को समय के साथ यह महसूस होता है कि अपने समाज, संस्कृति और परिवार से दूर रहना आसान नहीं होता। दुबई जैसे देशों में भले ही भारतीय समुदाय बड़ा हो, लेकिन वहां की नागरिकता व्यवस्था और सामाजिक ढांचा अलग है। अधिकांश विदेशी नागरिकों को वहां स्थायी नागरिकता नहीं मिलती, जिससे उनका भविष्य हमेशा अनिश्चित बना रहता है। हाल के वर्षों में यह भी देखने को मिला है कि कुछ लोग विदेश में रहने के बाद वापस भारत लौटने का निर्णय ले रहे हैं। भारत की बढ़ती आर्थिक संभावनाएं, तकनीकी विकास और बेहतर जीवन के अवसर इस बदलाव के पीछे प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा किए गए कई आर्थिक सुधारों और कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने की कोशिशों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। दरअसल, विदेश में बसना या निवेश करना कोई गलत निर्णय नहीं है। लेकिन केवल टैक्स बचाने या अल्पकालिक लाभ के लिए स्थायी रूप से देश छोड़ देना एक बड़ा फैसला होता है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। जरूरी यह है कि लोग आर्थिक लाभ के साथ-साथ सुरक्षा, स्थिरता, सामाजिक जुड़ाव और भविष्य की संभावनाओं जैसे पहलुओं पर भी गंभीरता से विचार करें। दुबई और खाड़ी देशों का आकर्षण अपनी जगह है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने यह सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या केवल आर्थिक कारणों से विदेश बसना सही फैसला है। भारत आज तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और यहां अवसरों की कोई कमी नहीं है। ऐसे में शायद यह समय है जब लोग केवल टैक्स के नजरिए से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने फैसलों पर पुनर्विचार करें।

बैट रोकना भी पड़ता है मैच जीतने को

आलोक पुराणिक

ट्रंप ने सचिन तेंदुलकर से सलाह मशविरा यूं किया— ट्रंप— भाई सचिन, तुम क्रिकेट की जान हो। दुनिया में अगर किसी को मैच की समझ है तो वो तुम हो। मुझे थोड़ी गाइडेंस चाहिए। देखो, मैंने ईरान में जो मार शुरू की थी— शुरू में लगा कि मामला टी-20 मैच जैसा है। कुछ घंटों में फैसला, पावरप्ले में दो-तीन मिसाइलें, सामने वाली टीम दबाव में, और हम आराम से ड्रेसिंग रूम में लौट जाएंगे। पर भाई कुछ घंटों बाद लगा—अरे यह तो वनडे मैच बन गया। पूरा दिन लग रहा है। सोचा चलो ठीक है, 50 ओवर का मैच है, थोड़ा धैर्य रखना पड़ेगा। फिर मामला और खिंच गया। तो मैंने सोचा—चलो, यह तो टेस्ट मैच है। पांच दिन में फैसला हो जाएगा। क्रिकेट में भी तो कई बार धैर्य रखना पड़ता है। पर अब हालत यह है कि भाई साहब पांच दिन क्या— कई टेस्ट मैच निकल गए। मामला पूरी टेस्ट सीरीज़ बन गया है। कभी कोई नई टीम कूद पड़ती है, कभी कोई नया बॉलर आ जाता है, कभी कोई नया कमेंटेटर बयान दे देता है। अब समझ नहीं आ रहा—यह मैच है, टूर्नामेंट है, या पूरा वर्ल्ड कप चल रहा है। सचिन (मुस्कुराए)—डोनाल्ड भाई, पहले तो एक बात बताओ—तुमने पिच रिपोर्ट देखी थी या नहीं? ट्रंप—पिच रिपोर्ट? वो क्या होती है? सचिन—अरे वही, मैच शुरू होने से पहले एक्सपर्ट बताते हैं—पिच सूखी है, स्पिनर को मदद मिलेगी, या घास है, तेज गेंदबाज़ों को फायदा होगा। मतलब— मैदान कैसा है, हालात क्या हैं। ट्रंप—नहीं, मैंने तो बस टॉस जीतकर बैटिंग शुरू कर दी। सचिन—बस वही गलती कर दी भाई। क्रिकेट हो या दुनिया की राजनीति — पिच देखे बिना खेल शुरू नहीं करते। हमारे यहां एक फिल्म बनी थी—'लगान'। उस फिल्म में आमिर खान और गांव वाले अंग्रेज़ों से लड़ाई नहीं करते। उन्होंने कहा—चलो, क्रिकेट मैच खेलते हैं। अगर हम जीत गए तो लगान माफ। अगर हार गए तो टैक्स दोगुना। और क्या हुआ? मैच हुआ, ड्रामा हुआ, आख़िरी गेंद पर छक्का और मामला निपट गया। ट्रंप—और मैच कहां होगा? सचिन — दुबई में। पहले दुबई में ऊपर से गेंदें बरसती थीं। स्टेडियम में छक्के उड़ते थे। अब ऊपर से मिसाइलें बरस रही हैं। तुमने तो दुबई का पूरा गेम ही बदल दिया भाई। लेकिन किसी भी खेल में धैर्य से ओपनिंग की जरूरती होती है। ट्रंप- मतलब, मैंने जल्दी में शॉट मार दिया? सचिन—थोड़ा रुककर खेलो। फील्ड देखो। सबसे ज़रूरी—हर गेंद पर छक्का मारने की कोशिश मत करो। कभी-कभी मैच जीतने के लिए बैट घुमाना नहीं, बैट रोकना पड़ता है।

तमनार के आमघाट में अफीम की खेती उजागर, पटवारी गिरदावरी और कृषि विभाग पर उठे सवाल

रायगढ़ जिले में मिली अफीम कि खेती.. संदिग्ध हिरासत में

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले के तमनार थाना क्षेत्र अंतर्गत आमाघाट गांव में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़ किया है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने खेत में उगाई जा रही अफीम की फसल को जब्त कर लिया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संबंधित खेत आमाघाट के एक ग्रामीण का बताया जा रहा है, जिसे तरबूज, ककड़ी और अन्य सब्जियों की खेती के लिए लिया गया था। इसी खेत में चोरी-छिपे अफीम की खेती की जा रही थी।मामले में पुलिस ने एक आरोपी मार्शल सांगा को हिरासत में लिया है, जो झारखंड का निवासी बताया जा रहा है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है, जिससे इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है। प्राप्त जानकारी अनुसार 1 से डेढ़ एकड़ में खेती करने का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए रायगढ़ के एसएसपी शशि मोहन सिंह स्वयं मौके के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस द्वारा पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर आगे की जांच और कार्रवाई जारी है। ग्रामीण क्षेत्र में खुलेआम इस तरह की खेती का सामने आना प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर रहा है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और संबंधित विभागों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि पटवारी द्वारा की जाने वाली नियमित गिरदावरी के दौरान इस अवैध फसल का खुलासा क्यों नहीं हो पाया। गिरदावरी में खेतों की फसल का विवरण दर्ज किया जाता है, ऐसे में अफीम जैसी प्रतिबंधित खेती का छूट जाना लापरवाही या मिलीभगत की ओर इशारा कर रहा है। वहीं कृषि विभाग के अधिकारियों को भी इस पूरे मामले की भनक तक नहीं लगने से उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अब देखना होगा कि इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है और क्या इस मामले में कड़ी जवाबदेही तय की जाती है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस अवैध अफीम खेती के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है।

गर्व के पल : नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में प्रीति जांगड़े का चयन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा कक्षा छठवीं का परिणाम जारी हो चुका है, जिसमें बेमेतरा विकासखंड के संकुल केंद्र बिलाई अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला चारभाठा की छात्रा प्रीति जांगड़े ने सफलता हासिल करते हुए नवोदय विद्यालय कुसमी, बेमेतरा के लिए चयनित होकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रीति जांगड़े, पिता ओम प्रकाश जांगड़े, की इस उपलब्धि से शाला परिवार एवं ग्रामवासी अत्यंत गौरवान्वित हैं। विद्यालय के प्रधान पाठक कमलेश कुमार देवांगन, शिक्षक वासुदेव टंडन, शिक्षिका श्रीमती नेहा सोनकर एवं श्रीमती हेमलता साहू ने प्रीति को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। संकुल प्राचार्य एस.आर. साहू एवं संकुल समन्वयक योगेश साहू ने भी इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए छात्रा को शुभकामनाएं दीं। वहीं ग्राम की सरपंच श्रीमती रानी मनीष टंडन ने कहा कि यह सफलता प्रीति की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।उन्होंने यह भी कहा कि प्रीति की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी और उन्हें भी मेहनत कर आगे बढ़ने के लिए उत्साहित करेगी। पूरे ग्राम में इस सफलता को लेकर खुशी का माहौल है।

पेंद्राकोरमा में सिविक एक्शन कार्यक्रम आयोजित, 16 गाँवो के 750 ग्रामीण हुए शामिल

डीआईजी नेगी की मौजूदगी में सामग्री वितरण, स्वास्थ्य सेवाएं भी पहुंचीं गांव तक।

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । जिले के अंदरूनी इलाके पेंद्राकोरमा में सुरक्षा बल जी/222 ने एक सिविक एक्शन कार्यक्रम किया, जिसमें आसपास के गांवों के सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम का मकसद दूर-दराज के लोगों तक जरूरी सुविधाएं पहुंचाना और उनके साथ भरोसे का रिश्ता मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में डीआईजी (ऑप्स) बीजापुर बी. एस. नेगी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने गांव के लोगों से सीधे बात की, उनकी समस्याएं सुनीं और खुद अपने हाथों से जरूरत का सामान बांटा। इससे ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। इस कार्यक्रम में पेंद्राकोरमा, मनकेली और मुंगा पंचायत के कुल 16 अंदरूनी पारा के लोग शामिल हुए। इनमें बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में पहुंचे। करीब 750 ग्रामीणों की मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि ऐसे आयोजनों को लेकर लोगों में भरोसा बढ़ रहा है। ग्रामीणों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए पानी रखने के टैंक, सोलर लाइट और लालटेन, बर्तन, कपड़े, चप्पल, कंबल और खेती के औजार बांटे गए।

बच्चों को स्कूल बैग, कॉपी और पेंसिल बॉक्स भी दिए गए। युवाओं के लिए फुटबॉल, वॉलीबॉल और क्रिकेट किट भी दिए गए, ताकि वे खेलों से जुड़े रहें और सकारात्मक माहौल बने। कार्यक्रम के साथ एक मुफ्त स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। इसमें डॉक्टर अनंथा ने ग्रामीणों की जांच की, सलाह दी और दवाइयां भी बांटीं। दूर के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए यह राहत भरा रहा। कार्यक्रम के आखिर में सभी ग्रामीणों के लिए सामूहिक भोजन का इंतजाम किया गया। गांव के लोगों ने इस पहल के लिए सुरक्षा बल का धन्यवाद किया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें सीधा फायदा मिल रहा है।

विकास कोसले बने गुरु घासीदास मिनीमाता सतनामी समाज समिति के जिला अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ)

प्रदेश नेतृत्व ने जताया भरोसा; समाज के युवाओं में हर्ष की लहर

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

गुरु घासीदास मिनीमाता सतनामी समाज समिति के प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगठन का विस्तार करते हुए श्री विकास कोसले को जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के युवा प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। विकास कोसले की सक्रियता और समाज के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश नेतृत्व का निर्णयः समिति के उच्च पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि विकास कोसले के नेतृत्व में जिले के सतनामी समाज के युवा संगठित होंगे और बाबा गुरु घासीदास जी के बताए 'मनखे-मनखे एक समान' के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति पर विकास कोसले का वक्तव्यः अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त जिला अध्यक्ष विकास कोसले ने कहा, ÷मुझ पर जो भरोसा प्रदेश नेतृत्व ने जताया है, मैं उस पर पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करूँगा। मेरा मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं को एकजुट करना, समाज में शिक्षा और जागरूकता का प्रसार करना और बाबा जी के आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाना है।÷समाज में हर्ष का माहौलः विकास कोसले की इस नियुक्ति से सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सतनामी समाज के युवाओं और वरिष्ठ जनों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से उन्हें बधाई देने वालों का ताँता लगा हुआ है। समर्थकों का मानना है कि उनकी ऊर्जा और विजन से जिले में सामाजिक गतिविधियों को एक नई दिशा और गति मिलेगी।

अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय, राजस्व संग्रह प्रभावित न हो इसके लिए निर्देश जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वित्तीय वर्ष 2025ङ्क26 की समाप्ति को देखते हुए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्यालयों को खुला रखने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में महानीरिक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, छत्तीसगढ़, रायपुर के पत्र के संदर्भ में कलेक्टर द्वारा आदेश जारी किया गया है। जारी निर्देश के अनुसार वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग, स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन शुल्क के रूप में शासन के राजस्व संग्रह का एक महत्वपूर्ण विभाग है। चूंकि वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं, ऐसे में पंजीयन कार्य प्रभावित होने से राजस्व संग्रह पर सीधा असर पड़ सकता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 मार्च 2026 (रविवार), 28 मार्च 2026 (शनिवार), 29 मार्च 2026 (रविवार) एवं 31 मार्च 2026 (मंगलवार) को शासकीय अवकाश घोषित है। इन अवकाशों के कारण दस्तावेजों के पंजीयन कार्य में बाधा आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने विशेष व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा है कि जनसुविधा को प्राथमिकता देते हुए तथा शासन के राजस्व संग्रह को प्रभावित होने से बचाने के लिए उक्त सभी अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्यालय खुले रखे जाएं और नियमित रूप से पंजीयन कार्य किया जाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक स्टाफ की उपस्थिति और कार्य की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस निर्णय से आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि जमीन-सम्पत्ति से जुड़े दस्तावेजों का पंजीयन अवकाश के कारण रुकेगा नहीं और वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि से पहले ही लोग अपना कार्य पूर्ण करा सकेंगे।

डेढ़ फीट की गौ-माता! आंध्र प्रदेश से रायगढ़ पहुंची दुनिया की सबसे छोटी गाय.. खासियत जानकर रह जाएंगे हैरान..!

रायगढ़/मूक पत्रिका

चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर रायगढ़ अंचल के लिए एक बेहद अनोखी और गर्व करने वाली खबर सामने आई है। शहर के दरोगा पारा, देवघर अपार्टमेंट निवासी युवा डॉ. रोशन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ की धरा पर विश्व की सबसे छोटे कद की 'पुंगनूर' गाय लाकर इतिहास रच दिया है। वे इस दुर्लभ प्रजाति को विशेष रूप से आंध्र प्रदेश से लेकर आए हैं।

पुंगनूर गाय की खास बातें: जो इसे बनाती हैं 'असाधारण'- यह गाय केवल अपनी लंबाई के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी दैवीय और औषधीय विशेषताओं के लिए भी जानी जाती हैः कद और वजनः इस गाय की ऊंचाई मात्र डेढ़ फीट है और वजन लगभग 20 से 25 किलोग्राम है, जो इसे किसी खिलौने जैसा आकर्षक बनाती है। दूध की गुणवत्ताः पुंगनूर गाय का दूध अत्यधिक पौष्टिक माना जाता है। इसमें औषधीय गुण होते हैं और वसा की मात्रा सामान्य गायों (3-4त्न) की तुलना में कहीं अधिक (8त्न तक) होती है।

रखरखावः अपनी सौम्य प्रकृति के कारण इसे पालना बहुत आसान है। यह कम चारे में भी स्वस्थ रहती है और घरेलू वातावरण में आसानी से ढल जाती है। सांस्कृतिक महत्वः दक्षिण भारत के मंदिरों, विशेषकर तिरुपति बालाजी में इस गाय के दूध का अभिषेक के लिए विशेष महत्व है।

डॉ रोशन व परिवारजन- छत्तीसगढ़ में पहली बार-रायगढ़ में यह अपनी तरह की पहली गाय है। डॉ. रोशन अग्रवाल का कहना है कि वे इस विलुप्त होती प्रजाति के प्रति लोगों को जागरूक करना चाहते थे। नवरात्रि के शुभ दिन इसका आगमन पूरे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इस 'नन्ही गौ माता' के दर्शन के लिए उत्सुक हैं।

दिल्ली प्रवास के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से राजेंद्र शर्मा की सौजन्य भेंट

बेमेतरा/मूक पत्रिका

दिल्ली के एक दिवसीय प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में रायपुर शहर जिला भाजपा प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा बेमेतरा राजेंद्र शर्मा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने श्री नबीन का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। भेंट के दौरान राजेंद्र शर्मा ने नितिन नबीन को राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनके कुशल नेतृत्व, संगठन के प्रति समर्पण और लंबे राजनीतिक अनुभव का परिणाम है। शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज देश की सबसे मजबूत और व्यापक जनाधार वाली राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरकर सामने आई है, जिसका श्रेय शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर तक कार्यरत समर्पित कार्यकर्ताओं को जाता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों का उल्लेख करते हुए विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में भाजपा वहां अभूतपूर्व प्रदर्शन करेगी और वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद पश्चिम बंगाल में भाजपा का प्रदर्शन संगठन की ताकत और नेतृत्व की स्वीकार्यता को दर्शाता है। राजेंद्र शर्मा ने कहा कि राज्यसभा में भाजपा की ऐतिहासिक सफलता लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे संसद में पार्टी की स्थिति और अधिक सशक्त हुई है। इससे राष्ट्रहित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों को गति मिलेगी और जनकल्याणकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने में सहायता मिलेगी। अंत में उन्होंने कहा कि नितिन नबीन का अनुभव, दूरदर्शी सोच और संगठनात्मक क्षमता निश्चित ही पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उनका मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके नेतृत्व में भाजपा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगी।

अब तक गन्ना किसानों को मिला 57.48 करोड़ का भुगतान

चैत्र नवरात्रि पर्व पर गन्ना किसानों को मिली बड़ी सौगात, उप

कवर्धा/मूक पत्रिका

चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर गन्ना किसानों को बड़ी सौगात मिली है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर (कवर्धा) द्वारा गन्ना किसानों को 5.97 करोड़ की राशि जारी की गई है। इसके साथ ही कारखाना द्वारा अब तक गन्ना किसानों को 57.48 करोड़ का भुगतान पूर्ण किया जा चुका है। नियमित और समयबद्ध भुगतान से क्षेत्र के किसानों में उत्साह, संतोष और प्रसन्नता का वातावरण बना हुआ है। कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत अधिकारी गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भुगतान प्रक्रिया निरंतर जारी है, जिससे सहकारी व्यवस्था में किसानों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। कारखाना प्रबंधन ने बताया कि यह निरंतरता किसानों की आर्थिक मजबूती के साथ-साथ कारखाने के सुचारु संचालन को भी स्थायित्व प्रदान कर रही है। कारखाना प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चालू पेराई सत्र में 255818 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई तथा 3,09,120 क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया जा चुका है। यह उपलब्धि किसानों के सहयोग, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और कारखाने की बेहतर कार्यक्षमता का संयुक्त परिणाम मानी जा रही है।

किसानों एवं श्रमिकों के हित में निरंतर कार्य

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना क्षेत्र के किसानों की आर्थिक और सामाजिक उन्नति का मजबूत आधार बना हुआ है। कारखाने द्वारा स्नक्क्क के अतिरिक्त रिकवरी राशि का भुगतान, शासन द्वारा प्रदत्त बोनस, रियायती दर पर शक्कर वितरण, उन्नत बीज उपलब्ध कराना, किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही कारखाना परिसर में किसानों के लिए सर्वसुविधायुक्त बलराम सदन, तथा मात्र 5 में गरम भोजन की कैंटीन सुविधा सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है।

कारखाने के प्रमुख योगदान

कारखाने के द्वारा स्थापना के समय से आज तक किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है तथा प्रारंभ से ही जिले की अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में कार्य किया जा रहा है। गन्ने की फसल के लिए किसानों को शासन द्वारा निर्धारित मूल्य की गारंटी प्रदान करना, जिससे उनका आर्थिक हित सुरक्षित बना रहे। प्रदेश में फसल विविधता को बनाए रखने तथा शासन की नीति अनुसार धान के बदले अन्य फसलों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका। क्षेत्र के लोगों के लिए स्थायी रोजगार उपलब्ध कराना। गन्ना फसल के लिए संपूर्ण इकोसिस्टम विकसित करना, जिसमें बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि यंत्र, परिवहन एवं कटाई आदि से जुड़े हजारों लोगों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन।

प्रदेश की पीडीएस व्यवस्था के अंतर्गत शक्कर वितरण हेतु नागरिक आपूर्ति निगम को बाजार मूल्य से कम दर पर शक्कर उपलब्ध कराना, जिससे प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान। जिला कबीरधाम के स्थानीय बाजार को वित्तीय तरलता प्रदान कर उसके विकास में योगदान देना।

ट्रैफिक उल्लंघन करने वाले 13 प्रकरण में 39 सौ का जुर्माना

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

यातायात सेल सारंगढ़ द्वारा शहर के भारत माता चौक से सूरज होटल, मित्तल मेडिकल और मेन रोड किनारे अव्यवस्थित खड़े किये वाहनों नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर शुक्रवार को ऑनलाइन मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की गई जिसमें 122/177 में 13 प्रकरण 3900 ? की चालानी कार्यवाही की गई। इस कार्य में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक जितेन्द्र चन्द्रा, उप निरीक्षक समेलाल सोनवानी, प्रधान आरक्षक मुकेश साहू, आरक्षक अक्षय रात्रे और सनसाई तिग्गा आदि शामिल थे।

राष्ट्रीय दैनिक
मूक पत्रिका
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का यात्री राजस्व अर्जन में कीर्तिमान!

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में यात्री राजस्व अर्जन में उपलब्धि हासिल करते हुए अब तक का सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग पैसेंजर रेवेन्यू अर्जित किया है। 17 मार्च 2026 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्री यातायात से ?1359.04 करोड़ का राजस्व अर्जन किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के ?1330.70 करोड़ के यात्री यातायात से प्राप्त राजस्व अर्जन से अधिक है। यह उपलब्धि न केवल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली को दर्शाती है, बल्कि यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित आंतरिक लक्ष्य ?1348.06 करोड़ को भी पार कर लिया गया है। राजस्व वृद्धि में अनारक्षित श्रेणी के लिए यात्रा का विशेष योगदान रहा है, जिसमें ?55 करोड़ (18.7त्र) की वृद्धि दर्ज की गई है, जो भारतीय रेल में सर्वाधिक वृद्धि प्रतिशत में से एक है। वहीं, आरक्षित श्रेणी में यात्रा के लिए ?26 करोड़ (2.8त्र) की वृद्धि दर्ज की गई है। कुल मिलाकर ?82 करोड़ (6.6त्र) की वृद्धि की तुलना में तथा ?65 करोड़ (5त्र) की वृद्धि आनुपातिक लक्ष्य की तुलना में हासिल की गई है। यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्पेशल ट्रेनों का भी सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस दौरान टीओडी (ट्रेन ऑन डिमांड) के तहत 116 ट्रिप (26 आरक्षित ट्रेनें) एवं 36 ट्रिप (8 अनारक्षित ट्रेनें) चलाई गईं । यह उल्लेखनीय उपलब्धि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समर्पित कार्यशैली, प्रभावी प्रबंधन तथा यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार का परिणाम है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन, महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के नेतृत्व में, भविष्य में भी यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं उच्च गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान करने के लिए सतत प्रतिबद्ध है।

आईटीआई कोनी में एक दिवसीय स्टार्टअप एवं उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिलासपुर। शासकीय आईटीआई कोनी में एक दिवसीय स्टार्टअप एवं उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उद्योग केन्द्र के प्रबंधक श्री सुनील कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया, जिन्होंने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कार्यालय द्वारा उद्यमियों को उद्योग स्थापना के प्रत्येक चरण में उपलब्ध सहायता एवं अनुदान संबंधी जानकारी भी दी गई। इसके पश्चात् गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के इन्क्युबेशन सेंटर के सी.ई.ओ. श्री चैतन्य मेहर ने स्टार्टअप के विषय में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्रबंधक श्रीमती रेवती लहरे द्वारा औद्योगिक नीति 2024ङ्क30 के संबंध में उपस्थित छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम का संचालन आईटीआई कोनी की प्राध्यापक सुश्री संतोषी कौशिक द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रभारी प्राचार्य श्री डी. के तिवारी, समस्त स्टाफ तथा कुल 257 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

बहुचर्चित नसबंदी कांड में 11 साल 4 महीने बाद आया फैसला, डाक्टर को मिली सजा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित पेंडारी नसबंदी कांड में 11 साल 4 महीने बाद जिला अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. आरके गुप्ता को लापरवाही और गैर-इरादतन हत्या का दोषी पाते हुए 2 साल की कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। उक्त फैसला एडीजे शैलेश कुमार की कोर्ट ने सुनाया है। बता दें कि नवंबर 2014 में जिले के तखतपुर ब्लॉक में नसबंदी शिविर लगा था। जहां सरकारी लक्ष्य को पूरा करने के लिए सिर्फ 3 घंटे के भीतर 83 ऑपरेशन कर दिए गए थे, जिसके बाद 15 माताओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक महिलाएं अस्पताल पहुंच गई थीं। इस कांड ने न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। बताया जाता है कि डॉक्टर गुप्ता पर आरोप था कि उन्होंने बिना किसी सुरक्षा मानक के मशीनी अंदाज में एक प्रशिक्षु के साथ मिलकर औसतन हर 2 मिनट में एक महिला का ऑपरेशन किया। शिविर में शाम होते तक महिलाओं को उल्टी, तेज बुखार और दर्द शुरू हो गया। देखते ही देखते सिम्स और अपोलो अस्पताल में दर्द से तड़पती महिलाओं की लाईन लग गई थी। मामले की जांच में पुलिस ने सिप्रोसिन दवा में चूहामार दवा (जिंक फास्फाइड) की मिलावट का दावा किया था। दवा सप्लाई करने वाली कंपनी के संचालकों को भी आरोपी बनाया गया था, हालांकि, अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में उन्हें बरी कर दिया है।

महुआ बिनने गई महिला सहित तीन ग्रामीणों पर जंगली सूअर का हमला,क्षेत्र में दहशत....

सूरजपुर। संवाददाता प्रेमनगर विकासखंड के ग्राम रघुनाथपुर में जंगल से लगे इलाकों में महुआ बिनना अब खतरे से खाली नहीं रहा। रोजी-रोटी का यह पारंपरिक काम इन दिनों ग्रामीणों के लिए जान जोखिम में डालने जैसा बन गया है। मंगलवार को सामने आई दो घटनाओं ने पूरे गांव को दहला दिया है। 18 मार्च की सुबह करीब 11 बजे गांव की विद्यावती यादव स्कूल परिसर के पास नर्सरी क्षेत्र में महुआ बिन रही थीं। तभी अचानक झाड़ियों के भीतर से निकले एक जंगली सूअर ने उन पर हमला कर दिया। सब कुछ इतना अचानक हुआ कि वह संभल भी नहीं पाईं। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाकर किसी तरह सूअर को भगाया, तब जाकर उनकी जान बच सकी। गंभीर रूप से घायल हालत में उन्हें तुरंत प्रेमनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उसी दिन सुबह एक और घटना पंडरी नरवा के पास हुई। फूलों बाई महुआ बिन रही थीं, तभी जंगली सूअर ने उन पर हमला कर दिया और उनकी जांघ में गहरा घाव कर दिया। मां को बचाने दौड़े बेटे सोनू बंजारा को भी सूअर ने नहीं छोड़ा और उनके दोनों हाथों में काट लिया। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। लगातार हुई इन घटनाओं से गांव में डर का माहौल है। लोग अब जंगल जाने से पहले कई बार सोच रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जंगली जानवरों की आवाजाही पहले से ज्यादा बढ़ गई है, लेकिन वन विभाग की ओर से कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही। घटना के बाद गांव में मुनादी भी कराई गई, फिर भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे, जिससे नाराजगी और बढ़ गई है। गांव में तरह-तरह की बातें भी सामने आ रही हैं। कोई सूअर के असामान्य व्यवहार की चर्चा कर रहा है, तो कोई बीमारी की आशंका जता रहा है। ऐसे में लोग मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द सूअर को पकड़कर सुरक्षित जगह ले जाया जाए, ताकि आगे कोई बड़ा हादसा न हो। इस पूरे मामले में हमर उत्थान सेवा समिति ने भी वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। समिति का कहना है कि लगातार घटनाएं हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी क्षेत्र में सक्रिय नहीं दिख रहे। समय रहते निगरानी और सुरक्षा के इंतजाम होते तो शायद ऐसी नौबत नहीं आती। समिति ने मांग की है कि इलाके में नियमित गश्त बढ़ाई जाए, जंगली सूअर को पकड़ने की कार्रवाई की जाए और घायलों को उचित मुआवजा व बेहतर इलाज की सुविधा दी जाए।

कलेक्टर ने जनगणना की तैयारियों का लिया जायजा

बिलासपुर। जनगणना 2026-27 के तहत जिले में मकान गणना का कार्य 01 मई से शुरू होने जा रहा है, जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। इसी सिलसिले में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिले के सकरी, नेवसा, रतनपुर एवं रानीगांव क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दौरे के दौरान कलेक्टर ने हाउस लिस्टिंग एवं जनसंख्या गणना से संबंधित की जा रही तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने डिजिटल माध्यम से किए जाने वाले डेटा संकलन की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने फील्ड स्तर पर तैनात कर्मचारियों के प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता तथा कार्य की निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें जनगणना के महत्व के बारे में अवगत कराया और इसमें सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है, इसमें दी गई प्रत्येक जानकारी भविष्य की योजनाओं को दिशा देती है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजागरूकता गतिविधियों को और तेज किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रक्रिया में सहभागिता निभा सकें।

थार का सपना बना अपराध की वजह:नाबालिगों ने रची 15 तोला सोना चोरी की साजिश,5 गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां महंगी गाड़ी खरीदने के शौक ने नाबालिगों को अपराध की राह पर धकेल दिया। थार गाड़ी लेने के लिए दोस्तों के एक समूह ने अपने-अपने घरों से सोना चोरी करने की योजना बनाई, जिसमें एक रिटायर्ड सैनिक का परिवार भी शिकार बना। जानकारी के मुताबिक, बहतराई निवासी रिटायर्ड सेना जवान सुशील कुमार शर्मा के घर से करीब 15 तोला सोना धीरे-धीरे गायब किया गया। इस चोरी के पीछे उनके ही बेटे और उसके दोस्तों की साजिश निकली। दोस्तों ने पहले उसे उकसाया और फिर खुद नकली जेवर दिखाकर उससे असली गहने चोरी करवा लिए। जब चोरी किया गया सोना थार खरीदने के लिए पर्याप्त नहीं हुआ, तो आरोपियों ने पैसे खर्च कर दिए और फिर दोबारा सोना लाने का दबाव बनाने लगे। इतना ही नहीं, पीड़ित लड़के को धमकाकर और मारपीट कर ब्लैकमेल भी किया गया।

सैमसंग अगले सप्ताह भारत में लॉन्च करेगा गैलेक्सी ए 57 और गैलेक्सी ए 37

गुरुग्राम। सैमसंग भारत में अपनी अगली पीढ़ी के गैलेक्सी ए सीरीज़ स्मार्टफोन्स लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ये नए स्मार्टफोन्स - गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी - अगले सप्ताह की शुरुआत में ही लॉन्च किए जा सकते हैं। इन नए स्मार्टफोन्स की सबसे बड़ी खासियत कम रोशनी में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्नत कैमरा क्षमताएं होंगी। इन दोनों स्मार्टफोन्स में नए ए आई फीचर्स मिलने की भी संभावना है, जिन्हें सैमसंग ऑसम इंटेलिजेंस कहता है। गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी को धूल और पानी से सुरक्षा के लिए आई पी 68 ड्यूरेबिलिटी के साथ लॉन्च किया जा सकता है। उन्हें लंबे समय तक सिक्योरिटी अपडेट और ओ एस अपग्रेड मिलने की भी संभावना है, जो सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टफोन्स की एक प्रमुख पहचान है। गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी सैमसंग नॉक्स वॉल्ट के साथ आएंगे, जो ए आई के इस दौर में बेहतर डेटा सुरक्षा के लिए एक हार्डवेयर-आधारित तकनीक है। बेहतर परफॉर्मेंस के लिए गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी में अपग्रेडेड प्रोसेसर, वाई फाई 6 ई और ब्लूटूथ 6 मिलने की संभावना है। ये नए डिवाइस किफायती कीमतों पर प्रीमियम फीचर्स लाने की सैमसंग की ग्राहकों के अनुकूल रणनीति को प्रदर्शित कर सकते हैं। गैलेक्सी ए सीरीज़ भारत में सैमसंग की सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन सीरीज़ में से एक है, जिसकी देश में अब तक की कुल बिक्री 10 करोड़ (100 मिलियन) यूनिट्स के करीब है।

होंडा ने भारत में दोपहिया वाहन उत्पादन क्षमता बढ़ाई, टपूकड़ा प्लांट में नई लाइन

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (।स्स्ङ्घ), जो भारत में होंडा की मोटरसाइकिल उत्पादन और बिक्री सहायक कंपनी है, देश में दोपहिया वाहनों की बढ़ती और विविध होती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता के विस्तार को आगे बढ़ा रही है। एचएमएसआई अपने राजस्थान के अलवर ज़िले स्थित टपूकड़ा प्लांट में तीसरी नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ा रही है। यह उपलब्धि 'द पावर ऑफ ड्रीम्स' के प्रति एचएमएसआई की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य लाखों भारतीयों को अपने सपनों और लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है। टपूकड़ा में नई प्रोडक्शन लाइन को 2028 में शुरू करने की योजना है, जिसकी वार्षिक क्षमता 6,70,000 यूनिट होगी। इस विस्तार के साथ, दूसरे प्लांट की कुल क्षमता बढ़कर 20.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी। यह पहल 2,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी। क्षमता विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, श्री त्सुत्सुमु ओटानी, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहा, भारत मोबिलिटी परिवर्तन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, और एचएमएसआई जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ इस यात्रा का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./222/प्र./ना.तह. / 2026
रा.प्र.क्र व-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक कृपाराम पिता दुकलहा उम्र लगभग 76 वर्ष जाति सतनामी निवासी ग्राम लोलेसरा, तहसील व जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा आवेदक अपने बहन हीराबाई पिता दुकलहा का मृत्यु ग्राम लोलेसरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) में दिनांक 08.06.2009 को होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नही करा पाना बताया गया है। अत: आवेदक अपने बहन हीराबाई पिता दुकलहा का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 23/03/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है।

उक्त तिथी के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 23.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

मैं खेलन वर्मा पिता सुखरू वर्मा आयु 63 वर्ष, जाति लोधी, निवासी ग्राम कुसमी वार्ड नं. 05, अबादीपारा, पो. बाबा मोहतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) का निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं :-

1/ यह कि, मैं उपरोक्त नाम व पते का निवासी हूं ।

2/ यह कि, मेरे नाम से जारी आधार कार्ड क्रं. 9091 7314 3089 में मेरा धरेलु नाम मोहन वर्मा (MOHAN VERMA) पिता सुखरू वर्मा दर्ज है, जबकि मेरे परिचय पत्र, पेन कार्ड, राशन कार्ड, भूमि संबंधी दस्तावेज बी-1 ऋण पुस्तिका शासकीय/अर्द्धशासकीय/अशासकीय एवं अन्य समस्त दस्तावेजों मेरा नाम खेलन वर्मा (KHELAN VERMA) पिता सुखरू वर्मा दर्ज है, जो कि मेरा सही वास्ताविक नाम है । मैं अब अपना नाम नाम खेलन वर्मा (KHELAN VERMA) पिता सुखरू वर्मा रखना चाहता हूं, और इसी नाम से जाना व पहचाना जाना चाहता हूं,

तथा नाम में एकरूपता लाने हेतु अब मैं अपना नाम नाम खेलन वर्मा (KHELAN VERMA) पिता सुखरू वर्मा रखना चाहता हूं, जिसके चलते मेरे आधार कार्ड शासकीय/अर्द्धशासकीय/अशासकीय व समस्त दस्तावेजों में जहाँ कहीं भी मेरा नाम नाम मोहन वर्मा (MOHAN VERMA) पिता सुखरू वर्मा दर्ज के स्थान पर संशोधन कर- खेलन वर्मा (च॥श्वह्ल ङ्कश्वक्ररू) पिता सुखरू वर्मा दर्ज कराना चाहता हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहता हूं ।

3/ यह कि, उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है ।

शपथकर्ता
खेलन वर्मा

नाम परिवर्तन

मैं लक्ष्मी पिता सुनील आयु 19 वर्ष, जाति केंवट, निवासी ग्राम देवरबीजा, पोस्ट देवरबीजा, तहसील बेरला, जिला बेमेतरा (छ.ग.) की निवासी हूं जो निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं कि :-

1/ यह कि, मैं उपरोक्त नाम व पते का निवासीनी हूं ।

2/ यह कि, मेरे नाम से जारी आधार कार्ड क्रमांक 7370 1215 0136 में मेरा नाम लक्ष्मी निषाद (LAKSHMI NISHAD) पिता सुनील निषाद दर्ज है, जबकि शैक्षणिक दस्तावेजों समस्त शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ अशासकीय दस्तावेजों मेरा नाम लक्ष्मी (LAXMI) पिता सुनील दर्ज है, जो कि मेरा सही वास्ताविक नाम है । अब मैं अपना लक्ष्मी (LAXMI) पिता सुनील रखना चाहती हूं, और इसी नाम से जानी व पहचानी जाना चाहती हूं, तथा नाम में एकरूपता लाने हेतु अब मैं अपना नाम लक्ष्मी (LAXMI) पिता सुनील रखना चाहती हूं जिसके चलते मेरे आधार कार्ड, शासकीय / अर्द्धशासकीय/अशासकीय तथा अन्य समस्त दस्तावेजों में जहाँ कहीं भी मेरा नाम लक्ष्मी निषाद (LAKSHMI NISHAD) पिता सुनील निषाद दर्ज के स्थान पर संशोधन कर- लक्ष्मी (LAXMI) पिता सुनील दर्ज कराना चाहती हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहती हूं ।

3/ यह कि, उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है ।

शपथकर्ती
लक्ष्मी

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

202603230500007
रा.प्र.क्र. / अ-2 वर्ष 2025-26

आवेदक कोमल साहू, पिता लक्ष्मण लाल साहू, साकिन तिलका पारा मुंगेली रोड वार्ड नं. 09, नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम धरमपुरा, प.ह.नं. 09, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 76/3, 76/1, 77, 78/1, 80 का रकबा 0.20 है., 0.62 है., 0.20 हे., 0.34 हे. 0.65 हे. कुल रकबा 2.01 हेक्टेयर को औद्योगिक प्रयोजनार्थ पुन:निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 23/03/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 12/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

202603230500008
रा.प्र.क्र. / अ-2 वर्ष 2025-26

आवेदक कोमल साहू, पिता लक्ष्मण लाल साहू, साकिन तिलका पारा मुंगेली रोड वार्ड नं. 09, नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम धरमपुरा, प.ह.नं. 09, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 858/3 का रकबा 0.38 हेक्टेयर को औद्योगिक प्रयोजनार्थ पुन:निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 27/03/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 12/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र. //प्र/तह. / 2026
रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक रामअवतार कोशले पिता ठुमुक निवासी ग्राम मोहरेंगा तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने पिता ठुमुक पिता केलहवा के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका मृत्यु दिनांक 27/04/2021 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम/नगर पंचायत में मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत तारीख 27/03/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित हो कर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 12/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालयीन मुहर से ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र.//प्र/तह. / 2026
रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तामेश्वर नेताम पिता स्व. मेघसिंग नेताम निवासी ग्राम झालम तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने पिता स्व. मेघसिंग नेताम पिता बेनीराम के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत है जिसका ग्राम झालम में मृत्यु दिनांक 15/03/2001 को निवास साकिन भूलवश ग्राम/नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत तारीख 01/04/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित हो कर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालयीन मुहर से ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र.//प्र/तह. / 2026
रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तामेश्वर नेताम पिता स्व. मेघसिंग नेताम निवासी ग्राम झालम तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने भाई शीत नेताम पिता स्व. मेघसिंग नेताम के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत है जिसका ग्राम झालम में मृत्यु दिनांक 16/11/2004 को निवास साकिन भूलवश ग्राम/नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत तारीख 01/04/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित हो कर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालयीन मुहर से ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में पहुंची बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख

मैड्रिड । स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने इंग्लैंड के न्यूकैसल यूनाइटेड को 7-2 से जबकि बायर्न म्यूनिख ने एलियांज एरिना में अटलांटा को 4-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इस मुकाबले में बार्सिलोना दूसरे हाफ में पूरी तरह हावी रही। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले हाफ में ही पांच गोल हुए। बार्सिलोना की ओर से मैच के छठे मिनट में ही राफिन्हा के गोल से बढ़त मिल गयी। इसके बाद न्यूकैसल की ओर से एंथनी एलंगा ने गोल दागकर कर स्कोर बराबरी पर ला

दिया। फर्मिन लोपेज और मार्क बर्नल की सहायता से बार्सिलोना ने फिर बढ़त हासिल की, पर एलंगा ने न्यूकैसल की ओर से एक गोल कर अपनी टीम को मुकाबले में बनाये रखा। पहले हाफ लामिन यामल के गोल से बार्सिलोना को 3-2 की बढ़त दिलाई। वहीं दूसरे हाफ में रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जबकि फर्मिन लोपेज ने भी एक और गोल किया।मैच के अंतिम चरण में राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल कर स्कोर 7-2 कर दिया और बार्सिलोना को जीत दिला दी। वहीं एक अन्य मुकाबले में बायर्न म्यूनिख ने एलियांज एरिना में अटलांटा को 4-1 से हराया। अब क्वार्टरफाइनल में उसका सामना रियल मैड्रिड से होगा। बायर्न की जीत में हैरी केन की मुख्य भूमिका रही। हेन ने 2 गोल कर अपने करियर के 50 गोल पूरे किए। मैच के 25वें मिनट में हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल दागकर टीम को 1-0 से बढ़त दियालया। दूसरी हाफ के 54वें मिनट में केन ने एक और गोल कर बढ़त दोगुनी की। इसके बाद लेनार्ट कार्ल ओर लुइस डियाज ने गोल दागे। । 85वें मिनट में अटलांटा की तरफ से लजार वुजादिन समार्डजिक ने हेडर कर गोल किया पर तब तक काफी देर हो गयी थी।

लंदन में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई टोटेनहम होटसपर और एटलिटको मैड्रिड टीम।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ में बदलाव

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 28 मार्च से टूर्नामेंट के 19वें संस्करण की शुरुआत होनी है। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स ने कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। टीम में जॉन मूनी की एंट्री हुई है। उन्हें फील्डिंग कोच बनाया गया है। वहीं, लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत की महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर से पक्की दोस्ती हो गई है। अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने के लिए प्रयासरत दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी कोचिंग टीम को और मजबूत किया है और आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को फील्डिंग कोच के रूप में नियुक्त किया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से लेवल 3, 2, और 1 कोचिंग सर्टिफिकेट प्राप्त जॉन मूनी दिल्ली में ज्ञानेश्वर राव और एंटोन रॉक्स की जगह लेंगे। दोनों आईपीएल 2025 के बाद टीम से अलग हो गए थे। जॉन मूनी दिल्ली कैपिटल्स की पहले से मजबूत कोचिंग टीम को और मजबूती देंगे। दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग टीम में हेमंग बदानी (हेड कोच), मुनाफ पटेल (बॉलिंग कोच), इयान बेल (सहायक कोच) शामिल हैं। वेणुगोपाल राव टीम के डायरेक्टर हैं। जॉन मूनी के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोचिंग का अनुभव है। वह 2018 से 2019 के बीच अफगानिस्तान के फील्डिंग कोच रहे हैं। इसी दौरान अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने 2019 में वेस्टइंडीज की पुरुष टीम के साथ भी काम किया था। इस साल जनवरी से आयरलैंड की महिला टीम के अस्थायी कोच हैं।

खेल के साथ ही पढ़ाई भी जरुरी : सिंधु

गुरुग्राम। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु ने उभरते हुए खिलाड़ियों से कहा है कि खेल के साथ ही पढ़ाई भी जारी करें क्योंकि केवल खेल पर ही आधारित रहना बेहद जोखिम भरा होता है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार खेल के साथ ही पढ़ाई भी जरुरी है। सिर्फ खेल पर ध्यान देना नुकसानदेह साबित हो सकता है। ध्यान रहे एक ही चोट से खेल करियर समाप्त हो सकता है। इस खिलाड़ी ने कहा कि साल 2016 के ओलंपिक से पहले वह भी अपने बाएं पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर होने के कारण परेशान थीं और उन्हें अपने भविष्य पर संदेह होने लगा था। उन्होंने कहा, मैं इतने साल से खेल रही हूं। कभी न कभी तो आपको रिटायर होना ही पड़ता है। और यही सच है। आप 45, 50 या 60 साल की उम्र तक नहीं खेल सकते। सिंधु ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद की बात का समर्थन किया जिन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों के माता-पिता से शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही थी। इस खिलाड़ी ने कहा, आपको इस बात को मानना ही होगा कि शिक्षा हमेशा पूरी जिंदगी आपके साथ रहेगी और हमेशा आपके पास रहेगी। उन्होंने कहा, कोई भी सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं होता और आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, चाहे वह पढ़ाई में हो या खेल में। पढ़ाई और खेल दोनों ही अहम हैं। मैंने अपना एमबीए किया है। इसलिए मुझे पता है कि यह आसान नहीं है। आप सुबह ट्रेनिंग के लिए जाते हैं, वापस आते हैं, पढ़ाई करते हैं, फिर शाम के सत्र के लिए जाते हैं। सिंधु ने कहा, सच तो यही है कि खेल एक बहुत छोटी सी चीज है। शिक्षा हमेशा आपके साथ रहेगी। खेल भी जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि आप अपनी पढ़ाई पूरी तरह से रोक दें। उन्होंने कहा कि खेल के दौरान लगने वाली चोटों से उबरना मुश्किल हो सकता है इसलिए उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों से पढ़ाई का एक विकल्प अपने पास रखने की बात कही। सिंधु ने कहा, हो सकता है मेरी बात थोड़ी कड़वी लगे, शायद अभी उन्हें यह बात समझ नहीं आए, लेकिन जिंदगी के बाद के पड़ाव में उन्हें यह जरूर समझ आएगा कि पढ़ाई भी उतनी ही जरूरी है।

हम फीफा विश्वकप खेलने तैयार पर अमेरिका नहीं जाएंगे : ईरान फुटबॉल संघ

तेहरान । ईरान फुटबॉल संघ ने कहा है कि वह फीफा विश्व कप 2026 का नहीं बल्कि अमेरिका का बहिष्कार करने जा रहा है। इसलिए विश्वकप में अमेरिका में होने वाले उसके मैचों को अन्य जगहों पर स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिये। ईरान के फुटबॉल संघ के प्रमुख मेहदी ताज ने कहा कि टीम टूर्नामेंट की तैयारियों को जारी रखेगी हालांकि टीम अमेरिका खेलने नहीं जाएगी। फुटबॉल विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से आयोजित किया जा रहा है। अमेरिका के साथ जारी संघर्ष को देखते हुए ईरान की टीम सुरक्षा कारणों से अमेरिका नहीं जाना चाहत है। इसलिए उसने अमेरिका में अपने प्रस्तावित मैच खेलने से इनकार कर दिया है। ताज ने कहा, नेशनल टीम तुर्की में ट्रेनिंग कैंप लगाएगी और वहां दो मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगी। हम अमेरिका का बहिष्कार करेंगे पर विश्व कप का नहीं। ताज का यह बयान ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान विश्व कप में भाग नहीं लेगा। ईरान की पुरुष टीम को जून में अमेरिका में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ मैच खेलने हैं। वहीं मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने ईरान के अमेरिका में विश्व कप मैचों के बहिष्कार पर कहा कि इस मामले में अंतिम फैसला फीफा करेगा। वहीं फीफा ने भी कहा है कि वे ईरान फुटबॉल फेडरेशन के संपर्क में हैं और चाहते हैं कि सभी टीमें अपने तय कार्यक्रम के अनुसार टूर्नामेंट में शामिल। ऐसे में फीफा ईरान के मैच किसी अन्य जग पर स्थानांतरित करे इसकी संभावना कम ही नजर आती है।

900 गोल दागने वाले दूसरे फुटबॉलर बने मेसी

फोर्ट लॉडरडेल

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से खेलते हुए अपना 900वां गोल कर एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। मेसी ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे फुटबॉलर हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम था। रोनाल्डो ने साल 2024 में ही 900 गोल का आंकड़ा हासिल कर लिया था। हालांकि रोनाल्डो ने 900 गोल के लिए मैसी से 100 मैच अधिक खेले हैं। मेसी लगभग दो दशक तक बार्सिलोना की तरफ से खेलते रहे और उन्होंने अपने आधे से अधिक गोल इस क्लब की ओर से ही किए हैं। मेसी ने नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 मैच में एक गोल करने के साथ ही अपने 900 गोल पूरे किये। मेसी के 900 गोल तक पहुंचने पर उन्हें बधाई मिली हैं। मेसी गोल के बाद भी इटर मियमी को जीत नहीं दिला पाये और नैशविले ने मियामी को 1-1 से ड्रॉ पर कर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले सप्ताह भी नैशविले में राउंड ऑफ 16 के पहले चरण में गोलरहित ड्रॉ खेला था। मेस्सी ने क्लब और देश के लिए 47 ट्रॉफियां जीती हैं जिनमें अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप और इंटर मियामी के साथ पिछले सत्र का एएलएस खिताब शामिल है। इस तरह वह पुरुष फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

विराट अभी भी आरसीबी के आधार हैं : डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के आधार हैं। डिविलियर्स आरसीबी से खेलने के दौरान विराट के काफी अच्छे दोस्त रहे हैं। डिविलियर्स का कहना है कि विराट आरसीबी की नींव हैं। उन्होंने कहा कि वह विराट के प्रदर्शन ही नहीं उनके होने से भी टीम प्रेरित होती है। उनके आने से टीम में एक प्रकार की सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। इसलिए वह टीम के लिए सबसे महत्वूर्ण सदस्य हैं। उनके रहने से युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है। आरसीबी 19 सत्र में अपने अभियान की शुरुआत 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से करेगी। गत सत्र की विजेता होने के कारण इस बार टीम अपना

खिताब बनाये रखना चाहेगी। डिविलियर्स ने कहा, विराट अभी भी आरसीबी की जान है। न केवल अपने प्रदर्शन और पिछले कुछ सालों में बल्ले से दिखाई गई निरंतरता के कारण बल्कि टीम में अपनी मौजूदगी से भी वह छाये हुए हैं। वह अपने आक्रामक अंदाज से टीम को जुनूनी बनाते रहे है। वह युवा खिलाड़ियों को ट्रॉफी जीतने के लिए तैयार करते हैं। वह टीम के लिए आगे बढ़कर योगदान देते हैं जिससे भी युवाओं का उत्साह बढ़ता है।

मुख्य चयनकर्ता अगरकर ने बीसीसीआई से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर साल 2027 तक अपने पद पर बने रहना चाहते हैं। अगरकर ने इसी को लेकर बोर्ड से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगरकर ने टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद ही बीसीसीआई से मुख्य चयनकर्ता के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग की थी। अगरकर 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक इस पद पर बने रहना चाहते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अगरकर के अनुरोध पर विचार कर रहा है। वहीं मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर की जगह लेने के लिए एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर का नाम भी उछला है हालांकि इसपर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। अगरकर जून 2023 में चयन समिति के प्रमुख बने थे। इसके बाद उनका कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर का कार्यकाल काफी अच्छा रहा है।

राजस्थान रॉयल्स पर लगी है कई हजार करोड़ की बोली

मुम्बई,एजेंसी। 28 मार्च से जहां आईपीएल 2026 के मुकाबले शुरु हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर दो प्रमुख टीमों के मालिकाना अधिकार में बदलाव आने वाला है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अलावा राजस्थान रॉयल्स भी बिकने के लिए तैयार है। इन दौनो ही फ्रैंचाइजी के लिए कई हजार करोड़ की बोलियां लगी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स का खरीदने के लिए कम से कम तीन बड़े निवेशकों ने बोली लगायी है। इसमें आदित्य बिड़ला समूह ने अमेरिकी निवेशक डेविड ब्लिटजर के साथ मिलकर बड़ी बोली लगाई है। रॉयल्स की ओर से शुरुआत में कुछ शेयर बेचने की बातें कही जा रही थीं पर अब पूरी फ्रेंचाइज़ी को ही बेचने की बात कही जा रही है। राजस्थान रॉयल्स की बाजार कीमत इस समय 1.1 से 1.35 अरब डॉलर (करीब 9,000 से 12,000 करोड़ रुपये) है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम पर करीब 11,956 करोड़ रुपये की बोली लग गयी है जिससे ये आईपीएल का सबसे महंगा सौदा भी हो सकता है। अभी टीम का मालिकाना अधिकार तीन भागों में बंटा है। इसमें इमर्जिंग मीडिया लिमिटेड के पास 65 फीस दी हिस्सेदारी है, रेडबर्ड कैपिटल्स के पास 15 फीसदी और लचलानप मर्डोके के पास 13 फीसदी शेयर हैं। वहीं बची हुई हिस्सेदारी अन्य निवेशकों के पास है, ऐसे में पूरी फ्रेंचाइज़ी की बिक्री के लिए सभी निवेशकों से मंजूरी लेनी होगी। रॉयल्स को खरीदने के लिए आदित्य बिड़ला समूह के अलावा कई अन्य कारोबारी समूह भी हैं। वहीं दूसरी ओर आरसीबीबी के मालिकाना अधिकार को लेकर 31 मार्च तक फैसला होना है पर रॉयल्स के मामले में ऐसा नहीं है। इन दोनो ही करार के बाद आईपीएल में भी बदलाव आया है।

आईपीएल में अभिषेक बना सकते हैं कई रिकार्ड

नई दिल्ली,एजेंसी

युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है और इसी दिन अभिषेक सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से अपने पहले मुकाबले में उतरेंगे। अभिषेक इस बार चार छक्के लगाते ही अपने छक्कों का शतक पूरा कर सकते हैं। उनके नाक अब तक 96 छक्के हैं। चार छक्के और लगाते ही वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। अब तक केवल

डेविड वॉर्नर के नाम ही आईपीएल में 100 छक्के हैं। वार्नर ने कुल 143 छक्के लगाये हैं। वहीं हेनरिक क्लासेन 88 छक्के के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अभिषेक के पास इस सत्र में अपने 2000 रन पूरे करने का भी अवसर है। अभिषेक ने अब तक 77 आईपीएल मैचों की 73 पारियों में 1816 रन बनाये हैं। ऐसे में वह 184 रन बनाते है वह इस टूर्नामेंट में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो जाएंगे। अभिषेक ने सनराइजर्स के लिए अब तक 1753 रन बनाए हैं। वह 2,000 रन करते ही सनराइजर्स के लिए ये उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज़ बन जाएंगे। इससे पहले डेविड वॉर्नर ने 4014, शिखर धवन ने 2768) और केन विलियमसन ने 2101 रन बनाये हैं। अभिषेक ने पिछले दो सत्र में हर बार 400 रन बनाये हैं। आईपीएल 2024 में उन्होंने 204.21 के स्ट्राइक रेट से 484 रन, वहीं, पिछले सत्र में 193.39 के स्ट्राइक रेट से 439 रन बनाए थे। ये भी एक रिकार्ड है क्योंकि अबतक किसी भी अन्य बल्लेबाज ने 190 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 400 से अधिक रन नहीं बनाये हैं। अभिषेक आईपीएल इस बार भी 400 से अधिक रन बनाने में सफल रहे तो ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन सकते हैं। अभिषेक ने पिछले सत्र में पंजाब किंग्स के खिलाफ केवल 55 गेंदों में 141 रन बनाए थे। ये इस लीग में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे अधिक स्कोर है। वहीं टी20 क्रिकेट में ये चौथी बार है जब उन्होंने 135 से अधिक रन बनाये हैं। अगर वह इस भी भी इतने रन बनाते हैं तो गेल से आगे निकल जाएंगे।

गंभीर ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील कर एआई और डीप फेक से सुरक्षा देने मांग की

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर एआई और डीप फेक के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। गंभीर का कहना है कि एआई के जरिये उनकी आवाज और चेहरे के गलत इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने अदालत से इसको लेकर सुरक्षा की मांग की गई है। गंभीर की याचिका में कहा गया है कि इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, और फेसबुक पर उनको लेकर नकली डिजिटल कंटेंट तेजी से बढ़ा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल कर उन्हें ऐसे बयान देते हुए गलत तरीके से दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं थे।

कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे, ईशान करेंगे कप्तानी

अभिषेक को मिली उपकप्तान की जिम्मेदारी

नई दिल्ली,एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल के 19 सत्र के शुरुआती मैचों में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की कप्तानी में खेलेगी। नियमित कप्तान पैट कमिंस के पूरी तरह से फिट नहीं होने से ईशान को कप्तानी सौंपी गयी है। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा उप-कप्तानी करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के अनुसार जैसे ही कमिंस वापसी करेंगे। वह टीम की कप्तानी संभाल लेंगे। अभी यह पता नहीं चला है कि कमिंस कितने मैच नहीं खेलेंगे पर माना जा रहा है कि वह 23 मार्च को टीम से जुड़ेंगे। वह फ्रेंचाइजी के साथ रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजरने के दौरान सत्र के पहले तीन मैचों से बाहर रहेंगे। टीम अपना शुरुआती मुकाबला 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ करेगी। वहीं वह 2 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स जबकि 5

अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेगी। कमिंस दिसंबर से ही खेल से दूर हैं। पीठ की पुरानी चोट के कारण वह एशेज से भी बाहर रहे थे। उन्होंने हाल में टी20 विश्व कप भी नहीं खेला था। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल अनुबंध के तहत खेलने की अनुमति दे दी है। हालांकि उन्हें वापसी करने में कुछ समय लग सकता है। कमिंस ने सनराइजर्स की कप्तानी करते हुए 30 मैच खेले हैं, जिनमें से 15 में टीम जीती है जबकि 14 में हारी है। वहीं एक मैच का परिणम नहीं निकला। साल 2024 में, उनकी कप्तानी में टीम फाइनल तक पहुंची थी पर वहां उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ईशान को कप्तानी इसलिए दी गयी है क्योंकि उन्हें इसका अनुभव है पहले भी वह कई अवसरों पर कप्तानी करते दिखे हैं। घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने कप्तान की भूमिका निभाई है। एसआरएच प्रबंधन हमेशा से इस बात को लेकर स्पष्ट था कि कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान ही टीम की कप्तानी करेंगे।

कांकेर में गूंजेगा 'जय श्री राम': शिवसेना की भव्य शोभायात्रा की तैयारी, बैठक में कार्यकर्ताओं ने भरी हुंकार

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-कांकेर शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे के अगुवाई में शासकीय विश्रामगृह में रामनवमी के पावन अवसर पर शोभायात्रा को लेकर बैठक संपन्न हुई। शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहां, राम केवल एक नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है वह एक आदर्श पुत्र, भाई, पति और राजा थें। उन्होंने हमेशा सत्य और धर्म के मार्ग का पालन किया। भले ही इसके लिए उन्हें चौदह वर्ष का वनवास झेलना पड़ा। रावण का संहार करके उन्होंने यह सिद्ध किया की अधर्म चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों ना हो, अंत में जीत सत्य और अच्छाई की ही होती है रामनवमी का दिन हमें राम जी के जीवन से शिक्षा लेने का संदेश देता हैं। राम नाम का अर्थ ही है हमारे हृदय का प्रकाश, हमें भी अपने भीतर की नकारात्मक को दूर कर प्रेम, करुणा और मर्यादा के साथ जीवन जीना चाहिएं। उन्होंने आगे कहां भगवान श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहां जाता है भगवान राम को पौराणिक कथाओं में सत्य, धर्म और न्याय का प्रतीक भी कहां गया है उन्होंने अपने जीवन में कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया। लेकिन फिर भी वह अपने कर्तव्यों का पालन करना कभी नहीं भुले। हमें भगवान राम से सद्गुणों को अपनाना चाहिएं। शिवसेना नेता अनेश नुरूटी सुकचंद मंडावी भोलापाल रामनारायण उसेंडी संत पटेल ने कहां यहां रामनवमी का त्यौहार हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण त्यौहार में से एक हैं शिवसेना द्वारा विगत 42 वर्षों से निरंतर रामनवमी शोभायात्रा निकाली जा रही है उक्त कार्यक्रम में जिले से हजारों की संख्या में 4 अप्रैल 2026 को राजधानी रायपुर में सम्मिलित होना हैं। तत्पश्चात कांकेर जिला में 8 अप्रैल को रामनवमी शोभायात्रा निकाली जाएंगी। बैठक के दौरान पार्टी में निस्वार्थ सेवा, समर्पित, निष्ठावान से काम करने वाला कार्यकर्ताओं को शिवसेना प्रदेश सचिव महेश दुबे के द्वारा तिलक एवं फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। समस्त कार्यकर्ता जमीन में बैठकर भोजन करते हुए संगठित और एकजुट होकर कार्य का संदेश दिया और कहां यहां केवल भोजन नहीं बल्कि हमारे आपसी जुड़ाव का उत्सव है। बैठक में आगामी आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम को भव्य और सकारात्मक बनाने हेतु कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेंदारी तय की गई। बैठक में मुख्य रूप से राजेंद्र यादव , धर्मेंद्र यादव ,रोशन नाग ,नानू सलाम ,मनकुंवर उयके ,उत्तम सिंह ठाकुर, सुमित दुग्गा ,बलराम व्यापारी ,प्रणवेश विश्वास ,सुमन ध्रुव कुलवंत ,कौमार्य भोला नेताम इत्यादि उपस्थित थें।

गांवों में अटल डिजिटल केंद्र बने ग्रामीणों के लिए बड़ी सहूलियत, घर के पास ही मिल रही बैंकिंग और शासकीय सेवाएं

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को आमजन तक पहुँचाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा सराहनीय पहल की जा रही है। गांव-गांव में संचालित अटल डिजिटल केंद्रों के माध्यम से अब ग्रामीण नागरिकों को विभिन्न शासकीय एवं डिजिटल सेवाएं उनके गांव में ही सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं। इस व्यवस्था से ग्रामीणों को शहर जाने की आवश्यकता काफी हद तक कम हो गई है और समय तथा पैसे दोनों की बचत हो रही है। जिला प्रशासन की इस पहल के अंतर्गत अटल डिजिटल केंद्रों के माध्यम से आम नागरिकों को बैंकिंग सेवाएं, बिजली बिल जमा करने की सुविधा, डीटीएच रिचार्ज, महतारी वंदन योजना की राशि आहरण, श्रम कार्ड से संबंधित सेवाएं, डिजी-पे के माध्यम से शासकीय योजनाओं की राशि प्राप्त करना तथा वाहन और स्वास्थ्य बीमा से जुड़ी सेवाएं भी आसानी से उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब ग्रामीण नागरिक अपने ही गांव में सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से इन सेवाओं का लाभ उठा पा रहे हैं। यह पूरी व्यवस्था कलेक्टर श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार संचालित की जा रही है। वहीं जिला पंचायत बेमेतरा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पद्माकर के मार्गदर्शन में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिले की कुल 294 ग्राम पंचायतों में वीएलई के साथ एमओयू कर इन सेवाओं का विस्तार किया गया है, जिससे अधिक से अधिक ग्रामीण नागरिकों को इसका लाभ मिल सके। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अटल डिजिटल केंद्रों के माध्यम से अब तक कुल 1,20,103 ट्रांजेक्शन किए जा चुके हैं। इन ट्रांजेक्शन के माध्यम से लगभग 27 करोड़ 68 लाख 20 हजार 528 रुपये की राशि का आहरण किया गया है, जो इस पहल की सफलता को दर्शाता है। यह आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास तेजी से बढ़ रहा है। इस पहल का सबसे बड़ा लाभ यह है कि ग्रामीण नागरिकों को अब छोटे-छोटे कामों के लिए शहर नहीं आना पड़ रहा है। इससे न केवल समय की बचत हो रही है बल्कि आने-जाने में होने वाला खर्च भी कम हो गया है। साथ ही गांव में ही पारदर्शी और विश्वसनीय सेवाएं मिलने से लोगों की सुविधा और संतुष्टि दोनों बढ़ी है। जिला प्रशासन द्वारा इस पहल को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आने वाले समय में हर ग्रामीण नागरिक को उसके गांव में ही डिजिटल सेवाओं का लाभ मिल सके।

कॉन्टेंट इंडिया 2026 सफलतापूर्वक संपन्न, भारत और विदेश से 700+ प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

जित मुंबई /मूक पत्रिका

भारत के कंटेंट इंडस्ट्री की झलक दिखाने वाला कॉन्टेंट इंडिया 2026 इवेंट, ष्द्धह्यद्ध ञ्क्ष् और ष्21स्नद्गस्रद्बड्ड द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम तीन दिनों तक चला। इसमें भारत और विदेशों से 700 से ज्यादा लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में नए आइडियाज़, इनोवेशन और बेहतरीन स्टोरीटेलिंग पर चर्चा हुई। इस सम्मेलन में बड़े इंडस्ट्री विशेषज्ञ, क्रिएटर्स और फिल्ममेकर शामिल हुए। उन्होंने कंटेंट स्ट्रैटेजी, इंटरनेशनल फॉर्मेट, फाइनेंसिंग, टेक्नोलॉजी और क्रिएटर इकोनॉमी जैसे विषयों पर बातचीत की। यह भी चर्चा हुई कि कैसे ग्लोबल कंटेंट को भारतीय दर्शकों के अनुसार बदला जा रहा है और एंटरटेनमेंट में निवेश कैसे बढ़ रहा है।तीन दिनों में डिजिटल कंटेंट के बढ़ते चलन, छोटे-छोटे (माइक्रो) ड्रामा, वर्टिकल वीडियो और कंटेंट बनाने में,द्ध के उपयोग पर भी बात हुई। इंडस्ट्री के लीडर्स ने बताया कि कैसे नए शो बनाए जाते हैं, पार्टनरशिप होती है और पैसे कमाने के नए तरीके क्या हैं।इस इवेंट में कई बड़े नाम शामिल हुए जैसे शिलांगी मुखर्जी, अनुज गांधी, दीपक धर, फियोना कैंपबेल, साहिरा नायर, राजारामन सुंदरम, साई अभिषेक, विष्णु मोहता, तरुण साहनी, अनुरुद्ध रॉय चौधरी, तान्या बामी, रिची मेहता, समीर नायर, अर्जुन नोहर, निहारिका पांडे और अरुणा दरयानानी आदि।कार्यक्रम के दो खास आकर्षण रहेः पहला - कॉन्टेंट इंडिया कोप्रो पिच , जिसमें क्रिएटर्स ने अपने नए शो के आइडियाज़ जजों के सामने पेश किए। दूसरा - राइटर्स रूम मास्टरक्लास , जिसे मशहूर लेखक-प्रोड्यूसर ने लिया, जिसमें उन्होंने टीवी लेखन के बारे में जानकारी दी।

डिश टीवी इंडिया के सीईओ और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, मिस्टर मनोज डोभाल ने कहाः ÷पिछले तीन दिनों में भारतीय कंटेंट इंडस्ट्री की क्रिएटिविटी, ऊर्जा और मिलकर काम करने का जज़्बा देखना बहुत अच्छा लगा। लोगों की बातों में साफ सोच और बड़े सपने दिखे। सबका मकसद ऐसी कहानियां बनाना है जो पूरी दुनिया तक पहुंच सकें। जब क्रिएटर्स, प्लेटफॉर्म और निवेशक साथ आते हैं, तो भारतीय कहानियों के लिए एक नया दौर शुरू होता है। इसकी सफलता इस पर निर्भर करेगी कि इन कहानियों को कैसे आगे बढ़ाया जाए, पैसा लगाया जाए और दुनिया भर के लोगों तक पहुंचाया जाए। भविष्य बहुत अच्छा दिख रहा है और कंटेंट इंडिया ने यह बात साफ कर दी है।÷कॉन्टेंट इंडिया 2026 में क्रिएटिव और बिजनेस से जुड़ी बातें एक साथ हुई। यह इवेंट ऐसा मंच बना जहां क्रिएटर्स, प्लेटफॉर्म, प्रोड्यूसर्स और निवेशक एक साथ मिले। इसका मकसद था साथ मिलकर काम करना, नया कंटेंट बनाना और भारतीय कहानियों को दुनिया तक पहुंचाना।

इंद्रावती नदी में पोकलेन से अवैध उत्खनन, शिकायत के बाद 300 घनमीटर रेत जब्त

बीजापुर/मूक पत्रिका

इंद्रावती नदी में पोकलेन मशीन से अवैध रेत उत्खनन का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 300 घनमीटर रेत जब्त की है। मामला भोपालपटनम थाना क्षेत्र का है, जहां शिकायत मिलने के बाद राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। शिकायत में कहा गया था कि ग्राम पंचायत लिंगापुर क्षेत्र में नदी से रात के समय रेत निकाली जा रही है और हाईवा वाहनों से ग्राम वरदली में जमा की जा रही है। इस पर 16 मार्च को एसडीएम भोपालपटनम और जिला खनिज अधिकारी के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। जांच में वरदली में ठेकेदार शेख हुसैन (निवासी गुंटूर, आंध्रप्रदेश) द्वारा रेत का अवैध भंडारण मिला। टीम ने मौके पर ही करीब 300 घनमीटर रेत जब्त कर ग्राम पंचायत को सौंप दी। प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अवैध उत्खनन में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आकाशीय बिजली का कहरः 11वीं के छात्र की दर्दनाक मौत, परिवार में मातम

बस्तर/मूक पत्रिका

जिले के बस्तर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झारतराई में शुक्रवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक स्कूली छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक छात्र की पहचान सिद्धार्थ बघेल के रूप में हुई है, जो लामकेर स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 11वीं का छात्र था। शुक्रवार शाम अचानक मौसम ने करवट ली और हल्की बारिश के साथ तेज गरज-चमक शुरू हो गई। इसी दौरान सिद्धार्थ अपने साथियों के साथ घर से कुछ दूरी पर खेत की ओर मवेशी चराने गया हुआ था।बताया जा रहा है कि अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर सिद्धार्थ गंभीर रूप से झुलस गया। बिजली उसके चेहरे और कंधे पर गिरने से वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई।घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जहां बेटे की हालत देखकर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर बस्तर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बस्तर मर्चुरी भेज दिया गया। इस दुखद घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

बीजापुर में दो-दो डीईओ की पोस्टिंग पर बवाल, विधायक मंडावी ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

एक ही दफ्तर से चल रहा कामकाज, शिक्षा व्यवस्था पर पड़ा असर, मंत्री को लिखी चिट्ठी

बीजापुर/मूक पत्रिका

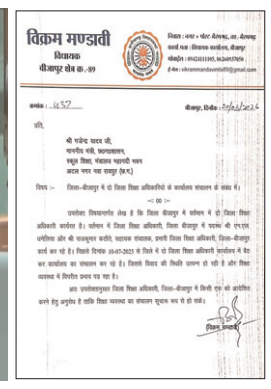

जिले में एक ही कार्यालय में दो जिला शिक्षा अधिकारियों की पदस्थापना का मामला अब राजनीतिक मुद्दा बन गया है।विधायक विक्रम मंडावी ने शुक्रवार को विधानसभा के शून्यकाल में यह मामला उठाते हुए सरकार की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। मंडावी ने कहा कि संभवतः यह पहला मामला है जब एक ही जिले में एक ही कार्यालय से दो-दो जिला शिक्षा अधिकारी काम कर रहे हैं। इस स्थिति से जिले की शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है और पूरा सिस्टम अव्यवस्थित होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस ÷अनूठी व्यवस्था÷ के कारण स्कूलों का संचालन भी प्रभावित हुआ है। विधायक ने इस संबंध में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव को पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट की है। पत्र में उन्होंने बताया कि वर्तमान में बीजापुर में एन.एल. धनेलिया जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में पदस्थ हैं, वहीं राजकुमार कठौते सहायक संचालक होते हुए प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 10 जुलाई 2025 से दोनों अधिकारी एक ही कार्यालय में बैठकर काम कर रहे हैं, जिससे प्रशासनिक स्तर पर भ्रम और विवाद की स्थिति बन रही है। इसका सीधा असर शिक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। मंडावी ने मांग की है कि सरकार तत्काल हस्तक्षेप करते हुए किसी एक अधिकारी को स्पष्ट रूप से जिम्मेदारी सौंपे, ताकि जिले में शिक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।

पैरा आर्ट से महिला क्लस्टर संगठन की दीदियों को मिला आजीविका

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) आज जिले में बदलाव की एक सशक्त कहानी लिख रहा है। इस योजना के माध्यम से न केवल महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं, बल्कि उन्हें अपने हुनर को पहचानने और आय के स्रोत में बढ़ाने में मदद मिल रही है। स्व-सहायता समूहों के जरिए महिलाएं अब आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं और अपने परिवार के साथ-साथ समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम बरभांठा की श्रीमती ललिता जाटवार की कहानी सामने आती है, जिन्होंने बिहान से जुड़कर पैरा आर्ट के माध्यम से अपनी एक नई पहचान बनाई है। श्रीमती ललिता जाटवार की कहानी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी है। कभी केवल एक गृहिणी के रूप में जीवन व्यतीत करने वाली ललिता आज अपनी मेहनत और हुनर के दम पर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। श्रीमती ललिता जाटवार बताती हैं कि पहले उनके पास कोई स्थायी आय का स्रोत नहीं था। घर की जिम्मेदारियों तक ही उनका जीवन सीमित था। लेकिन जब वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत भारतीय महिला क्लस्टर संगठन, सेमरा से जुड़ीं, तब उनके जीवन में एक नया मोड़ आया। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें ÷पैरा आर्ट÷ का प्रशिक्षण मिला। इस कला के माध्यम से वे पैरा (धान के अवशेष) से सुंदर और आकर्षक सजावटी चित्र कलाकृति बनाने लगीं जिसमें महापुरूषों, नदी, पहाड़, झरने साहित विभिन्न कलाकृतियां। उनकी बनाई हुई आकृतियां न केवल देखने में आकर्षक होती हैं, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी हैं। धीरे-धीरे ललिता और उनके समूह की अन्य दीदियों ने अपने उत्पादों को आसपास के बाजारों में बेचना शुरू किया। आज वे इस कार्य से अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और वे आत्मनिर्भर बन गई हैं। आज उनके कार्य को देखकर आसपास की महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं। इसके लिए श्रीमती ललिता जाटवार शासन का आभार व्यक्त करती हैं।

कांकेर पुलिस की बड़ी सफलता: 9 महीने पुराने 'मितानिन हत्या कांड' का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

कानून के लंबे हाथों से नहीं बच सका 'पत्थरबाज' कातिल

कांकेर/मूक पत्रिका

उत्तर बस्तर कांकेर 20 मार्च 2026 की पुलिस ने एक अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाते हुए 9 महीने पहले हुई मितानिन प्रेरक जयंती मंडल की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला पैसों के लेनदेन और सरकारी आवास योजना की राशि से जुड़ा हुआ था।

क्या था मामला?-घटना पिछले साल 18 जून 2025 की है। थाना दुर्गकोंदल के अंतर्गत लिगभंगदरहा जंगल के पगडंडी मार्ग पर एक अज्ञात महिला का शव **संदिग्ध अवस्था** -में मिला था। मृतका की पहचान जयंती मंडल (40 वर्ष) के रूप में हुई, जो चिखली की निवासी थीं और मितानिन प्रेरक के रूप में कार्य करती थीं। जांच में पाया गया कि उनके सिर और चेहरे पर पत्थर से वार कर बेरहमी से उनकी हत्या की गई थी।

जांच और खुलासा-पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई थी। तकनीकी साक्ष्यों और गहन पूछताछ के बाद पुलिस का शक ग्राम सोनपाल निवासी तारकचंद उर्फ चन्दन (19 वर्ष) पर गया।शुरुआत में आरोपी पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। हत्या की वजहः ?40,000 का विवाद पूछताछ में यह चौंकाने वाली बात सामने आई कि हत्या की वजह प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि थी।आरोपी की माता के नाम पर आवास योजना के तहत ?40,000 की राशि प्राप्त हुई थी। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी मृतका जयंती मंडल को दी गई थी।राशि लेने के बाद भी मृतका द्वारा घर का निर्माण नहीं कराया जा रहा था और बार-बार टालमटोल किया जा रहा था। जब आरोपी ने पैसे वापस मांगे, तो मृतका ने इनकार कर दिया। इसी आक्रोश में आकर आरोपी ने हत्या की योजना बनाई।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम-18 जून 2025 को आरोपी तारकचंद ने जयंती मंडल को एक दूसरे निर्माण कार्य का झांसा देकर जंगल की ओर बुलाया। वहां पैसों को लेकर फिर से विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने पास पड़े पत्थर से सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी और फरार हो गया।

पुलिस टीम की सराहना-इस अंधे कत्ल को सुलझाने में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद यादव, साइबर टीम के निरीक्षक यशवंत श्याम, जितेंद्र साहू और उनकी पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 पर दें, पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।